एजेंसी देना हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

दैनिक

जनसेवा समाचार

MPHIN/2013/53952

web:www.jansewasamachar.com

आवश्यक्ता हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सके।

वर्ष-21 | अंक-32 | प्रात :कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शुक्रवार 6 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

संक्षिप्त समाचार

यूपीएससी-सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता बंद

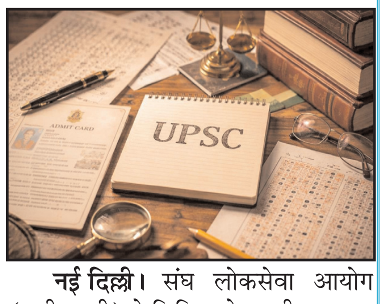

नई दिल्ली। संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2026 का नोटिफिकेशन बुधवार को जारी किया है। आयोग ने इस बार 933 पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया है। आवेदन की आखिरी तारीख 24 फरवरी है। परीक्षा केंद्र में फेस ऑथेंटिकेशन के बाद ही एंट्री दी जाएगी। इस बार प्रयास और पात्रता से जुड़े नियमों में भी बड़ा बदलाव किया गया है। इसके मुताबिक अब सिलेक्शन के बाद दोबारा परीक्षा देने की आजादी पहले जैसी नहीं रहेगी। नए प्रावधानों में सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता बंद कर दिया गया है। वहीं, आईएएस और आईएफएस को लेकर पुराने नियम जस के तस रखे गए हैं।

जूस पीकर अनशन तोड़ा, कुछ देर बाद फिर बैठै

बीकानेर। बीकानेर में चल रहे 'खेजड़ी बचाओ' आंदोलन चौथे दिन मंत्री केके विश्नोई ने अनशन पर बैठे लोगों को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। सिर्फ जोधपुर और बीकानेर संभाग में खेजड़ी की कटाई पर रोक लगाने का ऑर्डर सुनते ही लोग भड़क गए। कुछ देर बाद लोग फिर अनशन पर बैठ गए।

बोले- जब तक पूरे राजस्थान में खेजड़ी काटने पर रोक नहीं लगेगी तब तक अनशन जारी रहेगा। आंदोलन की अगुवाई कर रहे परसराम विश्नोई ने बताया कि अनशन खत्म नहीं हुआ है। संतों का कहना था कि भक्तों की भावना थी कि पूरे राजस्थान में रोक लगनी चाहिए। जो ऑर्डर आया वो अधूरा ही था। उन्होंने बताया कि आमरण अनशन चल रहा है। इससे पहले कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता मंत्री केके विश्नोई और राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत बिश्नोई गुरुवार सुबह करीब 11 बजे अनशन स्थल (बिश्नोई धर्मशाला) पर पहुंचे।

आसाराम के अहमदाबाद आश्रम पर चलेगा बुलडोजर

अहमदाबाद । अहमदाबाद के मोटेरा में स्थित आसाराम का मुख्य आश्रम अब कानूनी विवादों में है। गुजरात हाईकोर्ट ने 45,000 वर्ग मीटर से अधिक की आश्रम की जमीन को

राज्य सरकार के कब्जे में लेने और अवैध ढांचों को हटाने की मंजूरी दे दी है। इस आश्रम की जगह अब 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा। वर्तमान में इस जमीन की मार्केट वैल्यू 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की है। गुजरात हाईकोर्ट की जस्टिस वैभवी नानावती ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार को जमीन वापस लेने की अनुमति दी.

जम्मू-कश्मीर में 3 रेल प्रोजेक्ट रोके

श्रीनगर। रेल मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर में प्रस्तावित तीन परियोजनाओं को रोक दिया है। रेलवे ने दिसंबर 2023 में कश्मीर में तीन नई लाइनों के सर्वे को मंजूरी दी थी। ये रेल लाइनें थीं- सोपोर-कुपवाड़ा (33.7 किमी), अवंतीपोरा-शोपियां (27.6 किमी) और अनंतनाग-बिजबेहारा-

पहलगाम (77.5 किमी)। हालांकि स्थानीय लोगों और सरकार की आपत्ति के बाद सर्वे रोक दिया गया है। मालूम हो, श्रीनगर से बारामूला तक एक ट्रैक मौजूद है। प्रस्तावित तीनों लाइन घाटी के प्रमुख बागवानी जिलों से गुजरने वाली थीं। इनमें शोपियां, पुलवामा, अनंतनाग शामिल हैं। किसान इसलिए विरोध कर रहे थे क्योंकि यहां ट्रैक बिछाए जाने से 7 लाख से अधिक सेब के पेड़ काटे जाते।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरिद्वार में संत सम्मेलन को किया संबोधित

भारत को हिंदुत्व पर गर्व है और हिंदुत्व ही राष्ट्रत्व है: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति को नए आयाम तक पहुंचाने में आदि शंकराचार्य का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। मध्यप्रदेश की धरा से आदि शंकराचार्य जी का विशेष संबंध रहा है। वैचारिक स्तर पर भारत को हिंदुत्व पर गर्व है, हिंदुत्व ही राष्ट्रत्व है। सनातन की धारा शाश्वत रूप से बहती रहे, इस उद्देश्य से संतवृंद और सरकार समन्वित रूप से प्रयासरत है। हरिद्वार में समन्वय सेवा ट्रस्ट द्वारा स्थापित भारत माता मंदिर समाज और राष्ट्र में ऊर्जा का संचार कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को हरिद्वार में समन्वय सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित गुरुदेव समाधि मंदिर मूर्ति स्थापना समारोह के अंतर्गत संत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

संत महात्माओं को दिया सिंहस्थ-2028 का निमंत्रण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदि शंकराचार्य जी की परंपरा के संवाहक, वैदिक सनातन संस्कृति के उन्नायक, देश के प्रथम भारत माता मंदिर के संस्थापक पद्मभूषण स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार भव्य और दिव्य सिंहस्थ के आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाओं और विकास कार्यों पर ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी संत महात्माओं को सिंहस्थ-2028 के लिए उज्जैन पधारने के लिए निमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री ने योगगुरू स्वामी रामदेव जी के साथ किया योगाभ्यास

मुख्यमंत्री ने गुरूवार को पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार में योगगुरु स्वामी रामदेव जी के साथ योगाभ्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग आज भारत की प्राचीन परंपरा से निकलकर वैश्विक जन-आंदोलन बन चुका है। हम सभी योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और स्वस्थ, संतुलित व ऊर्जावान जीवन की ओर कदम बढ़ाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पतंजलि योगपीठ के वातावरण से प्रभावित होकर कहा कि योगपीठ का संस्कार, साधना और आत्मबल से परिपूर्ण वातावरण मन को अपार शांति प्रदान करता है।

भारत माता मंदिर समाज और राष्ट्र में ऊर्जा का कर रहा है संचार

बिहार के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि संसार के दुखों का शमन केवल सत्संग से ही संभव है। हमारे प्राचीन ग्रंथ और संतों का साथ व्यक्ति को नया जीवन और दृष्टि देने में सक्षम है। संतगण वे आत्माएं हैं जिनके चरित्र शांत और उदार हैं।

राज्यसभा में पीएम बोले- कांग्रेस के वक्त डील यानी बोफोर्स घोटाला

ये मोहब्बत की दुकान मोदी की कब्र खोदने की बात करती है

स्पीकर बोले-कल पीएम के साथ कुछ भी हो सकता था, इसलिए मैंने लोकसभा में उनकी स्पीच टाली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। स्पीच के दौरान विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्षी नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी को बोलने दिया जाए, तानाशाही नहीं चलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि खड़गेजी की उम्र देखते हुए उन्हें बैठकर नारे लगाने की इजाजत दी जाए। इसके बाद विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। प्रधानमंत्री ने एक घंटा 27 मिनट भाषण दिया। मोदी ने कहा कि ये कौन सी मोहब्बत की दुकान है, जो मोदी की कब्र खोदने की बात करते हैं। ये सार्वजनिक जीवन की मर्यादा का अपमान नहीं है पीएम बोले- टीएमसी, कांग्रेस, लेफ्ट, डीएमके दशकों से केंद्र में सत्ता का हिस्सा रहे। उनकी पहचान क्या बनी, उनके वक्त डील के नाम पर बोफोर्स याद आता है।

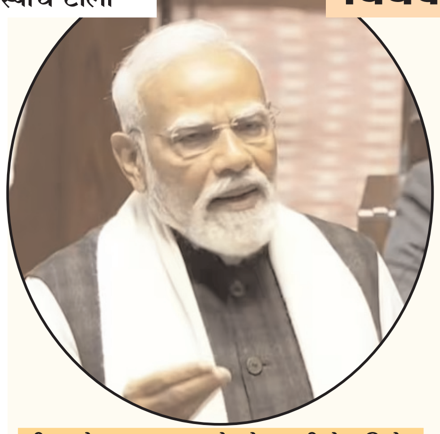

विपक्ष का वॉकआउट

बुधवार शाम 5 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई, तब विपक्ष की महिला सांसदों ने सत्ताधारी नेताओं की कुर्सियां घेर लीं। इनमें पीएम मोदी की कुर्सी भी थी। महिला सांसदों के हाथ में बड़े बैनर थे, जिन पर लिखा था- जो सही है, वो करो। ये सांसद मंगलवार को हंगामे के बाद 8 विपक्षी सांसदों के निलंबन का विरोध कर रही थीं। हंगामे के चलते स्पीकर ने कार्यवाही स्थगित कर दी। कुछ मंत्रियों ने विपक्षी सांसदों से जाने को कहा,

पीएम ने कहा- 140 करोड़ देशवासी मेरा रिमोट

पीएम ने कहा कि इनकी सरकार रिमोट से चलती थी। मेरी सरकार भी रिमोट से चलती है, लेकिन 140 करोड़ देशवासी मेरा रिमोट हैं। सत्ता हमारे लिए सुख नहीं सेवा का आसन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुद्रा योजना लाखों करोड़ों का लोन दिया, स्वरोजगार को बल दिया।

25 करोड़ लोगों ने गरीबी को पीछे छोड़ा

पीएम ने कहा कि आज 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को पीछे छोड़ा है। आज वे हमारे साथ चल रहे हैं। 2014 के पहले रेलवे क्रॉसिंग से स्कूल की बस जाती थीं, 20-20 बच्चों की मौत खबर आती थी।

विदेश मंत्री से कहा था-

भारत झुकेगा नहीं, ट्रम्प के हटने का इंतजार करेंगे

नई दिल्ली/वॉशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले साल सितंबर की शुरुआत में चीन गए थे, जहां उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दोस्ताना मुलाकात की थी। इसके कुछ ही दिनों बाद भारत ने अमेरिका के साथ बिगड़ते रिश्तों को संभालने की कोशिशें तेज कर दीं। इसी सिलसिले में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को वॉशिंगटन भेजा गया। वहां उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मुलाकात की। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से दी है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बातचीत में डोभाल ने साफ कहा कि भारत अमेरिका के साथ चल रही कड़वाहट को खत्म करना चाहता है और दोबारा ट्रेड डील पर बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है।

ट्रम्प ने भारत पर टैरिफ घटाया

ट्रम्प ने सोमवार यानी 2 फरवरी को अचानक सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने पीएम मोदी से फोन पर बातचीत की है और भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील हो गई है। इसके तहत भारतीय सामान पर अमेरिका का टैक्स घटाकर 18त्न कर दिया गया है। रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25त्न अतिरिक्त टैक्स भी हटा लिया गया है। ट्रम्प ने कहा कि इसके बदले भारत अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदेगा, वेनेजुएला से तेल लेगा और अमेरिकी सामान पर टैक्स पूरी तरह खत्म करेगा।

शिव प्रताप शुक्ला बोले-

जाति परंपरा सिर्फ वोट बैंक की पॉलिटिक्स की देन है

लखनऊ। लखनऊ के नेशनल पीजी कॉलेज में आज, गुरुवार को भारतीय ज्ञान परंपरा पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन हुआ। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने बतौर मुख्य अतिथि सेमिनार का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में 3 बहनों ने सुसाइड किया। वे कोरियन सभ्यता से प्रभावित थीं। एक समय वह था, जब भारतीय समाज में राजा जनक अपनी बेटी सीता के लिए स्वयंवर करते थे। आज ये दिन आ गए हैं। आप खुद ही दोनों सभ्यताओं की तुलना कर लीजिए। पहले जब जर्मन विद्वान मैक्सम्युलर भारत आए तो भाषा ज्ञान न होने के कारण वेद को जान नहीं सके। जब वे लौटकर जर्मन गए तो वहां अनुवाद कर वेदों को ठीक तरह से जाना और कहा कि वास्तव में वेद ही हैं, जिसमें सब कुछ है। जरा सोचिए, भारत अगर आज दशमलव न दिया होता तो आखिर कैसे गणित चलता? आर्यभट्ट ने जब दशमलव दिया तभी ये गणित आगे बढ़ सका। भारत में कभी जाति परंपरा नहीं थी राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि त्रष्ट के नियम का बगैर नाम लेते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के डिसिशन में एक लाइन की टिप्पणी कि क्या हम फिर से जाति व्यवस्था की तरफ लौट रहे है? ये बेहद गंभीर बात है।

कर्मचारियों का डीए 4प्रतिशत बढ़ा; 4.06 लाख करोड़ रुपए का अंतरिम बजट पेश

बंगाल में 21-40 की उम्र के बेरोजगारों को रू1500 मिलेंगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 21-40 वर्ष की आयु वर्ग के बेरोजगार लोगों को 1,500 रुपए का मासिक भत्ता दिया जाएगा। सीएम ने कहा कि अगर उनकी सरकार सत्ता में दोबारा आती है ते यह योजना 15 अगस्त से शुरू की जाएगी। सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाले में डियरनेस अलाउंस(डीए) में भी 4प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वहीं, लक्ष्मी भंडार योजना के तहत भी 500 रुपए बढ़ाए गए हैं। इसमें अभी तक सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1,000 रुपए और एससी/एसटी महिलाओं को 1,200 रुपए दिए जाते थे। पश्चिम बंगाल सरकार ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में 2026-27 वित्तीय वर्ष के लिए 4.06 लाख करोड़ रुपए का अंतरिम बजट पेश किया। राज्य में तीन महीने में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बंगाल के बजट में ये घोषणाएं-

- लक्ष्मी भंडार योजना में बढ़ोतरी का प्रस्ताव, फरवरी से मासिक भत्ता 500 रुपए बढ़ेगा। इसके लिए 15,000 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।
- सरकार बांग्लार युवा साथी नाम की नई योजना शुरू करेगी। इसके तहत 21-40 साल के बेरोजगार लोगों को नौकरी मिलने तक या अधिकतम 5 साल तक 1,500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे।
- आंगनवाड़ी, आशा वर्कर्स, नागरिक स्वयंसेवक, ग्रीन पुलिस और ग्राम पुलिस को मासिक भत्ते में बढ़ोतरी दी गई। आंगनवाड़ी कर्मचारियों के लिए मृत्यु मुआवजा भी घोषित किया गया।
- सरकारी कर्मचारियों को 4प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाने की घोषणा। राज्य सरकार ने 7वें वेतन आयोग को लागू करने की दिशा में काम जारी रखने की बात दोहराई।

संसदीय समिति बोली-रेलवे आरएसी बर्थ मिलने पर आंशिक किराया लौटाए

नई दिल्ली। संसदीय समिति ने मंगलवार को कहा आरएसी कैटेगरी के तहत बुक किए गए टिकटों के लिए यात्री से पूरा किराया लेना सही नहीं है। समिति ने रेल मंत्रालय को सुझाव दिया कि रेल मंत्रालय को ऐसे यात्री

को आंशिक किराया वापस करने के लिए नियम बनाना चाहिए। मौजूदा नियम के तहत, रेलवे आरएसी कैटेगरी के तहत ट्रेनों में बर्थ बुक करने के लिए यात्री से पूरा किराया लेता है। हालांकि, यात्री आरएसी कैटेगरी में रह सकता है और बर्थ दूसरे आरएसी यात्री के साथ साझा कर सकता है। दोनों यात्री रेलवे को पूरा किराया देते हैं। वहीं, सुपरफास्ट ट्रेनों को कैटेगराइज करने के लिए समिति ने कहा कि इसके लिए 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार का बेंचमार्क बेहद कम है। समिति ने कहा कि 2007 से सुपरफास्ट ट्रेनों के कैटेगराइजेशन के नियमों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

तमिलनाडु के मिनिस्टर बोले-

उत्तर भारतीय यहां पानीपुरी बेचते हैं: उन्हें सिर्फ हिंदी आती है

तमिलनाड। तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम ने कहा कि उत्तर भारत से आए लोग सिर्फ हिंदी जानते हैं, इसलिए उन्हें अच्छी नौकरियां नहीं मिलतीं। वे तमिलनाडु आकर टेबल साफ करने, मजदूरी करने या पानी पूरी बेचने जैसे काम करते हैं। पन्नीरसेल्वम ने बुधवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) की वजह से हमारे बच्चे अमेरिका, लंदन जैसी जगहों पर जाकर करोड़ों कमा रहे हैं। बीजेपी और दूसरी विपक्षी पार्टी ष्ठरूय नेता के इस बयान का विरोध कर रहे है।

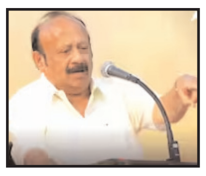

तमिलनाडु बीजेपी ने सोशल मीडिया ङ्ग पर पन्नीरसेल्वम की वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि यह केवल एक व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं है, बल्कि एक पैटर्न बन चुका है। भाजपा ने कहा- डीएमके के कई नेता प्रवासी मजदूरों का, विशेषकर उत्तर भारतीय या हिंदी बोलने वालों का बार-बार मजाक उड़ा चुके हैं। ऐसे में जब तमिलनाडु में प्रवासी मजदूरों के खिलाफ हिंसा बढ़ रही है, इस तरह के बयान गैर-जिम्मेदाराना और खतरनाक हैं।

स्टालिन बोले- तमिलनाडु में हिंदी के लिए कोई जगह नहीं

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम के स्टालिन ने तमिल भाषा शहीद दिवस पर ये बात कही थी। उन्होंने कहा था कि मैं उन शहीदों को कृतज्ञतापूर्वक सम्मान देता हूं जिन्होंने तमिल के लिए अपनी कीमती जान दे दी।

ओला-उबर की तरह ड्राइवर को कमीशन नहीं देना होगा

पहली सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी लॉन्च

नई दिल्ली। देश की पहली सहकारी कैब टैक्सी सर्विस भारत टैक्सी आज से दिल्ली और गुजरात के कुछ शहरों में शुरू हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में इस एप को लॉन्च किया। इस मौके पर गृह मंत्री ने कहा कि, 'सर्विस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें ड्राइवरों से कोई कमीशन नहीं लिया जाएगा और वे खुद इस प्लेटफॉर्म के हिस्सेदार या मालिक होंगे। इसके अलावा, पीक आवर्स में यूजर्स को सर्ज प्राइस (ज्यादा किराया) भी नहीं देना होगा। भारत टैक्सी का उद्देश्य ड्राइवरों को निजी एग्रीगेटर कंपनियों के मॉडल से आजादी दिलाना है। टैक्सी का ट्रायल 2 दिसंबर को दिल्ली और गुजरात के राजकोट में शुरू किया गया था, जो सफल रहा है।

रिटायरमेंट सेविंग्स और ड्राइवर सपोर्ट सिस्टम मिलेगा

लॉन्चिंग के दौरान अमित शाह एप के ट्रायल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 6 ड्राइवर्स (जिन्हें सारथी कहा गया है) को सम्मानित किया। इन ड्राइवर्स को कंपनी के शेयर सर्टिफिकेट बांटे गए। सम्मानित होने वाले ड्राइवर्स को 5 लाख रुपए का एक्सिडेंटल और 5 लाख रुपए का फैमिली हेल्थ इंश्योरेंस कवर दिया गया। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म से जुड़ने वाले सभी ड्राइवर्स के लिए रिटायरमेंट सेविंग्स और ड्राइवर सपोर्ट सिस्टम जैसी सुविधाएं भी जोड़ी गईं।

पाकिस्तानी पीएम बोले- बांग्लादेश के साथ खड़े रहना सही फैसला

कराची। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच के बहिष्कार को सही और सोचा-समझा फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस मुद्दे पर बांग्लादेश के साथ मजबूती से खड़ा है। एक फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने एक्स

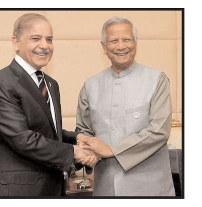

पोस्ट में भारत से मैच का बॉयकॉट करने का ऐलान किया था। उसके बाद आईसीसी ने पीसीबी से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। उसके बाद से पीसीबी का तो कोई बयान नहीं आया, लेकिन वहां के प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया कि पाकिस्तानी सरकार फैसला नहीं बदलने वाली है।

अमेरिकी अखबार में छंटनी-शशि थरूर के बेटे की नौकरी गई

वॉशिंगटन। अमेरिका के मशहूर अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने बुधवार को 800 पत्रकारों में से 300 कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। इसमें सीनियर कॉलमिस्ट ईशान थरूर भी शामिल हैं। वे कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बेटे हैं। ईशान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि वॉशिंगटन पोस्ट ने इंटरनेशनल टीम के कई शानदार पत्रकारों के साथ उन्हें भी नौकरी से निकाल दिया है। यह न्यूज रूम के लिए बेहद दुखद दिन है। एग्जीक्यूटिव एडिटर मैट मरे ने बताया कि जेफ बेजोस की कंपनी पिछले कई सालों से घाटे में चल रही थी।

शासकीय कर्मचारी ने परिजन के नाम से बनाई अवैध कॉलोनी

ग्राहकों को दिखाए सुहाने सपने, बेचे प्लाट, अब ग्राहक हो रहे परेशान

मण्डला (नि.प्र.)

शासकीय कर्मचारी ने अपने परिजनों के साथ मिलकर पहले तो अवैध प्लाटिंग की और फिर धड़ाधड़ ग्राहकों को सब्जवाग दिखाकर प्लाट बेच डाले इस तरह करोड़ो रूपए का लेनदेन बिना किसी लिखा पढ़ी के हो गया। मिली जानकारी के अनुसार नैनपुर मार्ग स्थित ग्राम चिरईडोंगरी में एक शासकीय शिक्षक ने अपने परिवार के नाम से जमीन खरीदी और फिर यहां पर प्लाटिंग आरंभ की न परमिशन ली और न ही कॉलोनी का नक्सा पास कराया। कागजों में कॉलोनी में सड़क, बॉड्रीबॉल, गार्डन ही नही पेयजल सुविधा भी दिखाते हुए लगभग 30 परिवारों से ठगी करते हुए रजिस्ट्री करा दी। अब ये परिवार अपनी जमीन खोजते फिर रहे है मौंके में न तो सड़क है और न बिजली और न पानी, शिकायत के बाद राजस्व अमला ने मौंका स्थल का निरीक्षण किया और पंचनामा आदि बनाकर कार्यवाही को आगे बढ़ाया वहीं वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के बाद जमीन मालिक संबंधित महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है लेकिन

सवाल यह है कि अब तक इस रकबे को अहस्तांरणी नही किया गया है और न ही खसरे को लॉक किया गया है और न ही रजिस्ट्री शून्य की गई है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आने वाले समय में यहां और भी जमीन की बिक्री की जाएगी सूत्रों के अनुसार संबंधित परिवारजनों के द्वारा यहां पर 60 प्लाट काटे गए थे जिसमें से 30 प्लाट बेचे जा चुकें हैं। प्लाट एरिया में 300 से लेकर 1000 रूपए तक के वर्ग फिट का रेट निर्धारित किया गया था लेकिन सरकारी रजिस्ट्री में केवल शासकीय मूल्य ही दर्शाया गया है। वह भी खेती की जमीन विक्रय नाम से 12 जनवरी को पटवारी कृष्णा चिचाम पिता बाबुराम चिचाम उम्र 31 वर्ष पटवारी हल्का नम्बर 68 थाना बम्हनी उपस्थित आकर एक टापईशुदा आवेदन पत्र जिसमे आदेश क्रमांक/68/2025-12/02 दिनांक 7/12/2025 है इस आशय से पेश किया कि अनावेदक शोभा सुर बेवा अजीत सुर निवासी चिरईडोगरी के द्वारा खसरा नम्बर 39/01/01 क्षेत्रफल 1.1704 हेक्टेयर की भूमि का भूस्वामी है उक्त भूमि पर निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अनावेदक द्वारा भूमि पर बिना किसी स्वीकृति डायवर्सन भू विकास अनुमति की प्राप्त किये अवैध प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा है। भूखण्डो को विक्रय किया जा रहा है। अनावेदक का कृत्य म.प्र.पंचायत राज एंव ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा 61(क),61(ख) ,61(घ)(3) अपराध धारा सदर का पाये जाने से मामला पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया । आवेदन पत्र नकल जैल है कार्यालय प.ह.न.68 र.नि.मं. चिरईडोंगरी तहसील नैनपुर जिला मण्डला क्रमांक/68/2025-12/02 दिनांक 7/12/2025 सेवा में विषय अवैध प्लांटिंग करने वाले भू-स्वामी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने हेतु संदर्भ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नैनपुर द्वारा पत्र क्रंमाक/प्रवा/प्र-2/आ.वि.अ./2025/1328 आदेश दिनांक 7/11/2015 महोदय जी निवेदन है की हल्का पटवारी क्र.68 र.नि.म. चिरईडोगरी तहसील नैनपुर के अंतर्गत ग्राम चिरईडोगरी मे खसरा नं 39/1/1 क्षेत्रफल 1.1704 है कि भूमि भूमि स्वामी शोभा सूर बेवा अजीत सूर ,निवासी चिरईडोगरी के स्वामित्व मे दर्ज है। स्थल निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि उक्त भू-स्वामी द्वारा उक्त भूमि पर बिना किसी स्वीकृति डायवर्सन भू-विकास अनुमति प्राप्त किए अवैध प्लांटिग कार्य किया जा रहा है तथा भूखंडो का विक्रय किया जा रहा है। यह कृत्य म.प्र.पंचयत राज अधिनियम 1993 की धारा 61,61 भूमिगत नियमों एवं शासकीय प्रावधानों का उल्लंघन है। इस संबंध में अनु विभागीय अधिकारी राजस्व नैनपुर द्वारा पत्र क्रमांक/प्रवा/प्र2/आ.वि.अ./2025/1328 आदेश दिनांक 7/11/2025 को आदेश पारित किया गया है जिसमे उपरोक्त अवैध कृत्य के परिपेक्ष्य में संबंधित भू-स्वामी के विरुध्द प्राथमिकी दर्ज करने तथा दण्डात्मक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त अवैध प्लटिंग से आमजन के साथ धोखाधड़ी की संभावनाएं एवं राजस्व हानि विद्यमान है तथा शासन के नगर एंव ग्राम निवेश एवं राजस्व नियमों का स्पष्ट उल्लखन हो रहा है। अपराध पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया। बता दें कि अवैध कॉलोनियों का जाल लगातार फैलता जा रहा है। कृषि भूमि को नियमों को ताक पर रखकर छोटे-छोटे प्लॉटों में तब्दील किया जा रहा है और आम लोगों को सुनहरे सपने दिखाकर लाखों रुपये की ठगी की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि यह पूरा खेल प्रशासन की जानकारी के बावजूद लंबे समय से जारी है। जिले के कई इलाकों में अवैध कॉलोनियां न केवल बस चुकी हैं, बल्कि वहां बिजली, पानी और सड़क जैसी सुविधाएं भी धीरे-धीरे मुहैया कराई जा रही हैं, जिससे इस अवैध कारोबार को मौन समर्थन मिलने की आशंका गहराती जा रही है। मंडला जिले के बम्हनी, नैनपुर, निवास और मंडला विकासखंड के आसपास के ग्रामीण इलाकों में कृषि भूमि को अवैध रूप से प्लॉटिंग कर बेचा जा रहा है।

नौ ट्रैक्टरों पर चालानी कार्यवाही

मण्डला (नि.प्र.)

पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में थाना कोतवाली महाराजपुर पुलिस द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान थाना महाराजपुर पुलिस द्वारा बिना नंबर प्लेट के संचालित पाए गए कुल 9 ट्रैक्टर वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम की धारा 51/177 के अंतर्गत चालानी कार्रवाई की गई। एमपी 51 जेडबी 7225, एमपी 51 जेडई 8708, एमपी 51 एए 4296, एमपी 51 जेडडी 8786, एमपी 51 जेडडी 8723, एमपी 51 एए 7679, एमपी 51 एबी 0192, एमपी 51 जेडए 7708 तथा एमपी 51 एए 8847 यह सभी ट्रैक्टर चालकों पर 500 रूपए प्रति ट्रैक्टर जुर्माना लगाया गया इस प्रकार कुल 4 हजार 500 रूपए की चालानी कार्रवाई की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा ट्रैक्टर चालकों को वाहनों पर स्पष्ट एवं वैध नंबर प्लेट लगाने, वाहन के समस्त वैध दस्तावेज साथ रखने ओवरलोडिंग न करने यातायात नियमों का पालन करने के संबंध में सख्त समझाइश दी गई।

वाहन चालक पर कार्यवाही

मण्डला (नि.प्र.)

थाना कोतवाली द्वारा कार्यवाही के दौरान रपटा घाट क्षेत्र में वाहन में अमानक हॉर्न लगाकर बजाते पाए जाने पर संबंधित वाहन चालक के विरुद्ध चलानी कार्रवाई की गई। इस दौरान वाहन से अमानक हॉर्न जब्त किया गया और 3 हजार 500 रूपए का जुर्माना आरोपित किया गया।

गार्डन डीजे ऑपरेटरों की बैठक

मण्डला (नि.प्र.)

आगामी बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस कंट्रोल रूम में मैरिज गार्डन बारातघर संचालकों एवं डीजे ऑपरेटर संघ की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य परीक्षा अवधि के दौरान ध्वनि नियंत्रण सार्वजनिक शांति एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना रहा बैठक में डीजे ऑपरेटर संघ को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि साउंड सिस्टम का संचालन केवल निर्धारित समय सीमा में एवं निर्धारित डेसीबल मानक के अनुसार ही किया जाए। इसी प्रकार मैरिज गार्डन एवं बारातघर संचालकों को निर्धारित समय में ध्वनि यंत्रों के उपयोग, पर्याप्त एवं सुरक्षित पार्किंग व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न न होने देने तथा बारात के दौरान यातायात का निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए ताकि परीक्षार्थियों सहित आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पन्ना : पांच माह बाद भी नहीं सुलझा मां-बेटे का दोहरा अंधा कत्ल

पत्नी और मासूम बेटे को इंसाफ दिलाने दर-दर भटक रहा पति, पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल

पन्ना। जिले के अजयगढ़ थाना क्षेत्र में करीब पांच माह पूर्व हुई मां-बेटे की नृशंस हत्या की वारदात आज भी पुलिस के लिए एक अबूझ पहेली बनी हुई है। दोहरे अंधे कत्ल को अंजाम देने वाले आरोपी न तो गिरफ्तार हो सके हैं और न ही पुलिस किसी ठोस नतीजे तक पहुंच पाई है। इस मामले में मृतिका के पति राकेश (परिवर्तित नाम) का सब्र अब जवाब देने लगा है। पत्नी और पांच वर्षीय मासूम बेटे को इंसाफ दिलाने के लिए दर-दर भटक रहे राकेश ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि संदेहियों पर सख्ती करने के बजाय उसे और उसके परिजनों को ही प्रताड़ित किया गया।

पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक पन्ना को दिए आवेदन में दो व्यक्तियों को मुख्य संदेही बताते हुए उनके 4-5 अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाया है। राकेश का कहना है कि यदि सात दिनों के भीतर मामले का खुलासा नहीं हुआ तो वह मजबूर होकर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करेगा।

रोंगटे खड़े कर देने वाला था घटनास्थल का मंजर

17 सितंबर 2025 की सुबह अजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत एक तंग कमरे में मां-बेटे के शव जिस अवस्था में मिले, उसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। कमरे में बिखरा सामान, अस्त-व्यस्त कपड़े और फर्श पर पड़े शव किसी भयावह दरिंदगी की गवाही दे रहे थे।

मृतिका मीरा (परिवर्तित नाम) का शव नग्न अवस्था में मिला था। उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था और उसी से गला कसकर हत्या की गई थी। परिस्थितियों और साक्ष्यों के आधार पर हत्या से पूर्व उसके साथ बलात्कार किए जाने की आशंका जताई गई थी।

मीरा का पांच वर्षीय बेटा सौरभ (परिवर्तित नाम) भी उसी कमरे में मृत मिला। उसके मुंह में भी कपड़ा ठूंसा गया था और गला घोंटकर उसकी हत्या की गई। आशंका है कि आरोपियों ने बच्चे को सिर्फ इसलिए मार डाला क्योंकि वह उन्हें पहचान सकता था। यह दोहरा कत्ल 16-17 सितंबर की दरम्यानी रात को किया गया।

अवैध संबंध बनाने से मना करने पर की हत्या

पीड़ित राकेश के अनुसार, घटना से एक दिन पहले उसकी पत्नी मीरा ने उसे फोन कर बताया था कि पड़ोस में रहने वाला एक स्वजातीय व्यक्ति उस पर अवैध संबंध बनाने का दबाव बना रहा है और इंकार करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है।

राकेश उस समय मजदूरी के सिलसिले में बाहर था। अगली सुबह उसे सूचना मिली कि उसकी पत्नी और बच्चे की हत्या कर दी गई है।

राकेश का आरोप है कि इसी दबाव और धमकी की परिणति के रूप में वारदात को अंजाम दिया गया।

संदेहियों पर कार्रवाई के बजाय पीड़ित पक्ष से पूछताछ का आरोप

आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि पुलिस ने संदेहियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने के बजाय राकेश और उसके भाइयों को थाने में बैठाकर घंटों पूछताछ की, हथकड़ी लगाई गई और मानसिक प्रताड़ना दी गई।

इतना ही नहीं, राकेश की बहन के साथ भी थाने में कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार किया गया। पीड़ित का कहना है कि वह पिछले चार महीनों से लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहा है, लेकिन जांच में कोई ठोस प्रगति नहीं हो रही।

पन्ना की बेटियों के सम्मान से बड़ा खिलवाड़ः स्कूलों में शौचालय नहीं, डस्टबिन बने जिम्मेदार अधिकारी

भोपाल से कड़ा प्रहारः राज्य शिक्षा केंद्र ने डीपीसी और एई को थमाया नोटिस, पूछा- क्यों न करें बर्खास्त?

पन्ना। एक तरफ सरकार 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का ढिंढोरा पीट रही है, वहीं पन्ना जिले के शिक्षा विभाग के आला अधिकारी बेटियों की बुनियादी गरिमा और सेहत को ताक पर रखकर कुंभकर्णी नींद सो रहे हैं। जिले के शासकीय स्कूलों में बालिका शौचालयों की बदहाली और अधूरे निर्माण ने पन्ना की छवि को पूरे प्रदेश में कलंकित कर दिया है। इस घोर लापरवाही और स्वेच्छाचारिता पर कड़ा संज्ञान लेते हुए राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल ने जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) अजय कुमार गुप्ता और सहायक यंत्री (एई) के.के. नायक को 'कारण बताओ सूचना पत्र' जारी किया है।

बेटियों के हक का पैसा डकार गए या काम करने में आ रही शर्म?

समीक्षा में यह शर्मनाक सच सामने आया है कि मुख्य सचिव की उच्च स्तरीय बैठक में मार्च 2026 तक सभी बालिका शौचालयों को क्रियाशील करने के सख्त निर्देश थे, लेकिन पन्ना के इन जिम्मेदारों ने इसे रद्दी की टोकरी में डाल दिया। स्कूलों में शौचालय निर्माण और मरम्मत की प्रगति अत्यंत धीमी और चिंताजनक है। यह न केवल पदीय कर्तव्यों की अनदेखी है, बल्कि जिले की हजारों बेटियों की सुरक्षा और सम्मान के साथ सीधा विश्वासघात है।

जनप्रतिनिधि का फूटा गुस्साः रामकुमार चौधरी ने कहा- 'भ्रष्ट और लापरवाह सिस्टम को उखाड़ फेंकेंगे'

जिला पंचायत सदस्य श्री रामकुमार चौधरी ने इस अमानवीय लापरवाही पर तीखा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा है कि— 'अधिकारी अपनी वातानुकूलित कुर्सियों पर बैठकर बेटियों की अस्मत से खेल रहे हैं। जब बजट उपलब्ध है, तो स्कूलों में शौचालय क्यों नहीं बने? यह मासूम बच्चों का मानसिक और शारीरिक शोषण है। हम सिर्फ नोटिस से शांत नहीं बैठेंगे, ऐसे अधिकारियों पर सीधे एफआईआर और निलंबन की कार्रवाई होनी चाहिए।'

5 फरवरी तक का अल्टीमेटम, वरना होगी गाज

संचालक राज्य शिक्षा केंद्र ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए 5 फरवरी 2026 तक जवाब मांगा है। यदि जवाब संतोषजनक नहीं मिला, तो इन अधिकारियों पर विभागीय गाज गिरना तय है। पूरे जिले में इस मामले को लेकर जनता के बीच भारी आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामवासियों से मांगा सहयोग

मण्डला (नि.प्र.)

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत के आधार पर जिला प्रशासन के निर्देशानुसार ग्राम खिरहनी में राजस्व एवं पुलिस अमले ने संयुक्त रूप से गांव का भ्रमण कर नशामुक्ति अभियान चलाया। अधिकारियों ने ग्रामवासियों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए अवैध शराब के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया अधिकारियों ने बताया कि शराब का सेवन न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बल्कि इससे पारिवारिक शांति सामाजिक वातावरण और आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है।

अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही

मण्डला (नि.प्र.)

कलेक्टर के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी रामजी पांडेय के मार्गदर्शन में जनसुनवाई में प्राप्त ग्राम खिरहनी में मदिरा का अवैध विक्रय की शिकायत पर आबकारी बल मण्डला, पुलिस चौकी हिरदेनगर एवं तहसीलदार की उपस्थिति में संयुक्त दबिश की कार्यवाही की गई। जिसमें ग्राम खिरहनी में शिकायतकर्ता महिलाओं की उपस्थिति में मदिरा का अवैध रूप से विक्रय करने वाले महिलाओं द्वारा बताए गए संदिग्ध स्थलों घरों की विधिवत तलाशी ली गई। जिसमें श्रीमती रानीबाई आर्मो, श्रीमती पूनम नंदा, श्रीमती सोमती सरोते के घरों की तलाशी समक्ष शिकायतकर्ता महिलाओं की उपस्थिति में ली गई। जिसमें किसी भी प्रकार की मदिरा नहीं पाई गई जिसका विधिवत तलाशी पंचनामा बनाया गया। ग्राम की महिलाओं को समझाइश दी गई कि निरंतर ग्राम में गश्त जारी रहेगी एवं सूचना दिए जाने पर त्वरित कार्यवाही की जावेगी।

हत्या के आरोपी को कारावास

मण्डला (नि.प्र.) चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश जिला द्वारा आरोपी स्वरूप सिंह उड़के पिता स्व. कुंजीलाल उइके उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम भोगाडार थाना बम्हनी जिला मण्डला को धारा 103 (1) बीएनएस में आजीवन कारावास एवं कुल 1000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रार्थिया की उपरोक्त प्र.पी.-02 की देहाती नालसी रिपोर्ट के आधार पर थाना बम्हनी मे दिनांक 16.07.2024 को अपराध क्र. 373/24 धारा 103 (1) बी.एन.एस. के तहत पंजीबद्ध कर प्रथम सूचना रिपोर्ट प्र.पी.-18 लेखबद्ध की गई और प्रकरण की संपूर्ण विवेचना उपरान्त अभियुक्त के विरूद्ध अंतर्गत धारा 103(1), 238 बीएनएस के अंतर्गत माननीय न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से अभियोजन संचालन अपर लोक अभियोजक ब्रजेश चौरसिया के द्वारा किया गया है।

कॉलेज में विजेताओं को मिले पुरूस्कार

मण्डला (नि.प्र.)

शासकीय जगन्नाथ मुन्नालाल चौधरी महिला महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर शरद नारायण खरे के संरक्षण में तथा डॉ अंजली पंड्या के संयोजन में मतदाता जागरुकता सप्ताह का समापन किया गया। सप्ताह भर संचालित विभिन्न प्रतियोगिताओं भाषण निबंध रंगोली चित्रकला आदि के विजेताओं को पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया समापन अवसर पर प्राचार्य खरे ने कहा कि हर पात्र नागरिक को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराकर निश्चित रूप से नैतिक व निष्पक्ष मतदान करना चाहिए इस अवसर पर डीके रोहितास, डॉ अंजु सिंह, सुश्री पूजा टेमरे व छात्राओं की उपस्थिति रही इस अवसर पर स्वीप एम्बेसेडर प्रिया कोष्ठी व रोशनी विश्वकर्मा को विशेष रूप से महाविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया गंगोत्री मरावी, शालिनी कछवाहा, प्रेम लता तेकाम, माही ठाकुर, कनक श्रीवास को जिला प्रशासन ने जिला स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहने पर पुरस्कृत किया था।

17 हजार 797 का निराकरण

मण्डला (नि.प्र.) राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में चलाये जा रहे संकल्प से समाधान अभियान के पहले चरण में घर-घर संपर्क के दौरान नागरिकों से अभी तक केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं से संबंधित 25 हजार 516 आवेदन प्राप्त हुये हैं और इनमें से 17 हजार 797 का निराकरण किया जा चुका है। निराकृत प्रकरणों में स्वीकृत आवेदनों की संख्या 17 हजार 767 एवं अस्वीकृत किये गये आवेदनों की संख्या 30 है।

जन स्वास्थ्य शिविर आज

मण्डला (नि.प्र.) ग्राम पंचायत स्तर पर ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं कलेक्टर के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अन्य विभागों के सहयोग से आरोग्यम मण्डला 2.0 का आयोजन किया जा है। आज जिले में 33 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

पेंशनर की बैठक आज

मण्डला (नि.प्र.) वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन की मासिक बैठक आज दोपहर बाद 1 बजे से स्थानीय गोंड़ी पब्लिक ट्रस्ट भवन माहिष्मती घाट में आयोजित की गई है। जिसमें जिले की समस्त तहसील व विकासखंडों से अध्यक्ष व प्रतिनिधि बैठक में पधार रहे हैं। इस बैठक में 24 फरवरी को प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत जिले में भी धरना प्रदर्शन व रैली आयोजित करने हेतु कार्यक्रम तय किए जाएंगे।

जैविक खेती शैक्षणिक भ्रमण

मण्डला (नि.प्र.) शासकीय महाविद्यालय अंजनिया द्वारा जैविक खेती प्रायोगिक कार्य के अंतर्गत डॉ. नवीन कुमार हरदहा के मार्गदर्शन एवं डॉ. प्रशांत कुमार यादव के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं को उड़ान नर्सरी अंजनिया का भ्रमण कराया गया। नर्सरी भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं को सुदामा झारिया एवं सहयोगी द्वारा नर्सरी बैड तैयार करना, जैविक खाद, घरेलू अपशिष्ट से खाद बनाने की जानकारी दी गयी। नर्सरी में रोपित ड्रेगन फ्रूट एवं अन्य पौधों के महत्व से अवगत करवाया गया।

बकायादारों की कुर्की करने आदेश

मण्डला (नि.प्र.) मुख्य अभियंता जबलपुर के द्वारा 2 लाख से अधिक बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने उपभोक्ताओं से बात की और वसूली के लिए उपस्थित अधिकारियों को सघन कठोरात्मक कार्यवाही करते हुये बची राशि वसूलने के लिए निर्देशित किया गया। वर्तमान में बिछिया संभाग अंतर्गत अंजनिया वितरण केन्द्र में 2 लाख से अधिक बकायादार जिन पर कुर्की कार्यवाही शीघ्र की जायेगी।

सजेगा मिलेट फूड फेस्टिवल

मण्डला (नि.प्र.)

स्वाद सेहत और स्थानीय परंपराओं का अनोखा संगम अब मंडला में देखने को मिलेगा। जिले में श्री अन्न मिलेट्स को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर की पहल पर जिला प्रशासन द्वारा 13 एवं 14 फरवरी को पुलिस ग्राउंड में दो दिवसीय मिलेट फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। यह फेस्टिवल न सिर्फ लोगों को मोटे अनाजों के पौष्टिक लाभों से परिचित कराएगा बल्कि स्थानीय व्यंजनों को एक बड़ा मंच भी देगा। कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 4 बजे से शुरू होगा जहां शहरवासी मिलेट्स से बने पारंपरिक और आधुनिक स्वादिष्ट पकवानों का लुत्फ उठा सकेंगे। फेस्टिवल में अपने स्टॉल लगाने के इच्छुक व्यवसायियों और स्व-सहायता समूहों के लिए बुकिंग प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। स्टॉल बुकिंग के लिए 6 फरवरी तक का समय दिया गया है। स्टॉल शुल्क मात्र एक हजार रूपए प्रति स्टॉल रहेगा। इच्छुक व्यक्ति दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके अपनी जगह सुरक्षित कर सकते हैं।

पहलवानों ने राज्य स्तर पर लहराया परचम

मण्डला (नि.प्र.)

भोपाल स्थित तात्या टोपे स्टेडियम के कुश्ती एरिना में आयोजित राज्य स्तरीय खेलो इंडिया अनुसूचित जनजाति कुश्ती प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। मंडला के तीन पुरुष एवं एक महिला पहलवान का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। चयनित खिलाड़ी अब छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय खेलो इंडिया जनजाति कुश्ती प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिले के कुल 4 पहलवानों ने 2 स्वर्ण एवं 3 रजत पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसमें हर्षित भलावी ने स्वर्ण पदक (67 किग्रा, ग्रीको रोमन), दानिश भलावी ने रजत पदक (74 किग्रा फ्रीस्टाइल) रजत पदक (77 किग्रा ग्रीको रोमन), दिव्यांशु सरवटे ने रजत पदक (97 किग्रा, ग्रीको रोमन) तथा चांदनी नरेटी ने स्वर्ण पदक (62 किग्रा, फ्रीस्टाइल) प्राप्त किया। यह सफलता मध्यप्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ के मार्गदर्शन तथा ओलंपियन अर्जुन अवार्डी पप्पू यादव एवं नारायण यादव के कुशल नेतृत्व का परिणाम है। उनके प्रयासों से जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों को खेल की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से पूरे जिले में खुशी की लहर है। खेल प्रेमियों एवं नागरिकों ने चयनित पहलवानों को शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर कामना की है।

पाली विकासखंड में 10 से 24 फरवरी तक चलाया जाएगा एमडीए अभियान

मण्डला (नि.प्र.)

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदेल ने बताया कि उमरिया जिले के पाली विकासखंड में 10 से 24 फरवरी 2026 तक एमडीए अभियान चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की प्रशिक्षित टीमें घर-घर जाकर लक्षित जनसंख्या को निर्धारित मात्रा में फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कराएंगी। इस हेतु सभी सब-सेंटर सुपरवाइज़रों (सी एचओ,एएनएम,एमपीएस, एलएचवी,आशा परिवेक्षक) को माइक्रोप्लानिंग,दवा वितरण,रिपोर्टिंग एवं निगरानी से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होने बताया कि डी.ई.सी. एल्बेंडाजोल आइवरमेक्टिन की गोली का सेवन करने से मनुष्य के शरीर में स्थित फाइलेरिया के कृमि नष्ट हो जाते हैं जिससे यह बीमारी एक से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलती। दवा खाने से कृमि के मरने पर बुखार, उल्टी, सिर दर्द या चक्कर आ सकते हैं, जो कि दवा का प्रतिकूल प्रभाव है

पांचवी राष्ट्रीय सॉफ्ट हॉकी प्रतियोगिता में मप्र ने तीनों वर्गों में जीते कांस्य पदक

नगर संवाददाता, शिवपुरी

गुलाबी नगरी जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गत दिवस 28 जनवरी से 1 फरवरी तक आयोजित की गई पांचवी राष्ट्रीय सॉफ्ट हॉकी प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनों वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय सॉफ्ट हॉकी प्रतियोगिता में पहली बार सहभागिता की और पहली ही बार में सीनियर महिला, जूनियर पुरुष एवं सब-जूनियर पुरुष वर्ग में कांस्य पदक हासिल कर ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की।

मध्य प्रदेश सॉफ्ट हॉकी संघ के प्रदेश सचिव एवं हॉकी प्रशिक्षक अविनाश भटनागर ने बताया कि यह सफलता प्रदेश में सॉफ्ट हॉकी के बढ़ते स्तर और उज्ज्वल भविष्य को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मध्य प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी भारत का नाम रोशन करेंगे। प्रतियोगिता में सीनियर महिला वर्ग में अन्यया तोमर, पूर्वी त्रिपाठी, नव्या जैन, नीलम, शिवांशी एवं नव्य शर्मा ने सराहनीय प्रदर्शन किया। वहीं जूनियर पुरुष वर्ग में ध्रुव शर्मा, वंश श्रीवास्तव, अमन बाल्मिक, धीरज जाटव, सचिन बघेल, सिद्धार्थ राठौर और प्रशांत राठौर ने बेहतरीन खेल दिखाया। सब-जूनियर पुरुष वर्ग में माणिक वर्मा, कुणाल सिंह, अनित कुशवाहा, साहिल सिंह सहित अन्य खिलाड़ियों ने टीम को कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मध्यप्रदेश टीम की उपलब्धि पर रिपुदमन सिंह तोमर, अजय बाजपेई, विवेक पिशाल, श्याम श्रीवास्तव, जितेंद्र परिहार, मनोज परिहार, जिला खेल अधिकारी जोसेफ बाक्सला, कुंवर राज, संगीता दीक्षित सहित खेल जगत से जुड़े अनेक लोगों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अटल सभागार में आंतकी हमले की मॉकड्रिल

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जीवाजी विश्वविद्यालय परिसर में स्थित अटल सभागार आतंकी हमले की मॉकड्रिल की गई। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) कमांडो ने तीन घंटे से भी ज्यादा समय तक अभ्यास किया। बता दें, बंधकों को छुड़ाने आंतकी हमलों से निपटने के लिए एनएसजी कमांडो द्वारा अभ्यास किया जाता है। ग्वालियर में इन दिनों एनएसजी कमांडो का दल अभ्यास करने के लिए आया हुआ है। बुधवार को जीवाजी विश्वविद्यालय परिसर में बने अटल सभागार में कमांडो ने अभ्यास किया। इस दौरान दूरस्थ शिक्षण संस्थान को कमांड सेंटर बनाया गया तो वहीं अटल सभागार में आतंकी हमले का अभ्यास किया गया। रात ग्यारह बजे तक विश्वविद्यालय में अंधेरा पसरा हुआ था और जाबांज कमांडो मॉकड्रिल में कैसे आंतकियों के इरादों को नाकाम किया जाता है उसकी रिहर्सल की गई।अभ्यास के दौरान विश्वविद्यालय में किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा था और मुख्य दरवाजे पर पुलिस पहरा लगा हुआ था। कमांडो के साथ विश्वविद्यालय नगर पुलिस अधीक्षक हिना खान मौजूद रहीं तो वहीं सुरक्षा पहरे पर इन्दरगंज थाना प्रभारी दीप्ती तोमर पुलिस बल के साथ तैनात थीं। वहीं डीबी मॉल में भी कमांडो ने देर रात तक मॉकड्रिल का अभ्यास किया।

विद्यार्थियों में अध्ययन के साथ कौशल विकास भी जरूरी : डॉ. गंभीर

नगर संवाददाता, शिवपुरी

डॉ. भगवत सहाय शासकीय महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के सौजन्य से विद्यार्थियों के लिए ब्यूटीशियन कोर्स तथा एनिमेशन व ग्राफिक डिजाइनिंग दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समापन एवं प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. बृजवाला राय भी मौजूद थीं। महाविद्यालय के विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के समन्वयक तथा ट्रेंनिंग व प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. विजय गंभीर ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में अध्ययन के दौरान उनकी रुचि के क्षेत्र में कौशल विकसित उन्हें स्वरोजगार की ओर उन्मुख करना है। मुख्य अतिथि स्वामी विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संभागीय समन्वयक डॉ.अरविंद शर्मा ने कहा कि शासन द्वारा मध्य प्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालयों में यह प्रकोष्ठ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं कौशल विकास हेतु कार्य कर रहा है।

विशिष्ट अतिथि शासकीय औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान के प्राचार्य निखिल सिंघल ने विद्यार्थियों को एपल के मालिक स्टीव जॉब्स की बायोग्राफी पढ़ने हेतु आग्रह करते हुए बताया कि किस प्रकार स्टीव जॉब्स ने अपने आत्मविश्वास और आत्मबल के आधार पर विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए कंपनी को पूरे विश्व में लोकप्रिय कर दिया। बीस दिवसीय ब्यूटीशियन कोर्स प्रशिक्षण का प्रतिवेदन पीपीटी के माध्यम से स्मार्ट बोर्ड पर अंशु राठौर तथा एनीमेशन एवं ग्राफिक डिजाइनिंग का प्रतिवेदन प्रतिभागी आदित्य सिंह चौहान ने प्रस्तुत किया।

संक्षिप्त समाचार

13 विषयों के साथ सौंपा ज्ञापन

ग्वालियर। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ द्वारा शिक्षकों की समस्याओं क्रमोन्नति, रुका वेतन, एनपीएस गुमशुदा कटोत्रा 13 विषयों को लेकर बुधवार को विकास खंड शिक्षा अधिकारी घाटीगांव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने वालो में चंद्रपाल सिंह सेंगर, धर्मवीर सिंह गुर्जर, उत्तम सिंह कुशवाह, नीरज सिंह सोलंकी, योगेश श्रीवास्तव, मनीषा रावत, गौरी शर्मा, हेमलता भदौरिया आदि शामिल रहे।

डबरा में आज 6 घंटे बिजली कटौती

डबरा ब्यूरो। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संधारण कार्य के चलते गुरुवार 5 फरवरी को डबरा शहर के कई क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति 6 घंटे तक बाधित रहेगी। इस दौरान 11 केवी सुभाषगंज फीडर एवं 11 केवी डिवीजन फीडर का संधारण कार्य एवं कंडक्टर ऑग्मेंटेशन का किया जाना प्रस्तावित है। जानकारी के अनुसार प्रात: 10 :30 बजे से शाम 4 :30 बजे तक संबंधित क्षेत्रों की विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। इस अवधि में सुभाषगंज, सराफा, जंगीपुरा, नगरपालिका के आसपास का क्षेत्र, कृष्णपुरा, रेलवे पुल के नीचे दोनो तरफ की एरिया, गोयल गैस एजेंसी के आसपास का क्षेत्र, शिव कॉलोनी, भितरवार रोड डिवीजन ऑफिस तक, श्रीराम कॉलोनी, गोयल गैस एजेंसी के आसपास का क्षेत्र, गंगापुरा, कस्टम मंदिर का क्षेत्र, संन्यास आश्रम सहित अन्य क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

युवक की संदिग्ध हालात में मौत, जांच में जुटी पुलिस

भिण्ड। लहार के पचपेड़ा तिराहा क्षेत्र में किराए के मकान में रहने वाले युवक की मृत्यु का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान दतिया जिले के भगुआपुरा निवासी भरत शर्मा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया तथा मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भिण्ड। देहात थाना क्षेत्र में मंगलवार को 19 वर्षीय छात्रा संध्या कुशवाह की अपने घर में मृत्यु हो गई। घटना के समय परिजन बाहर गए हुए थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए जांच प्रारंभ की। मृतका शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-एक की कक्षा 12वीं की छात्रा थी। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

महिला का सिर कटा शव मिलने से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

नगर संवाददाता, शिवपुरी

मौ-बेहट रोड स्थित टोल टैक्स बैरियल के पास सड़क किनारे खंती में एक अज्ञात महिला का सिर कटा शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी रघुवीर सिंह मीणा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला की हत्या कहीं और की गई है तथा शव को रात के अंधेरे में वाहन से लाकर यहां फेंका गया। मृतका की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष बताई जा रही है। शव पर साड़ी थी तथा पैरों में चांदी की पायल पहनी हुई थी। शव तीन से चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। पुलिस द्वारा आसपास के गांवों में पूछताछ की जा रही है, वहीं टोल प्लाजा से भी जानकारी जुटाई जा रही है। नजदीकी थाना क्षेत्रों से संपर्क कर महिला की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। पुलिस का मानना है कि हत्या पूर्व नियोजित है और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को यहां लाकर फेंका गया।

इनका कहना है

महिला का सिर कटा शव मिला है। अभी पहचान नहीं हो सकी है। जांच की जा रही है, जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

-रघुवीर सिंह मीणा, टीआई थाना मौ

निवेश के बदले मुनाफा का झांसा देकर नौ लाख ठगे

■ फरियादी ने ठग के कहने पर कई बार खातों में स्थानांतरण किए रुपए

नगर संवाददाता, शिवपुरी

कारोबारी को सोने में निवेश करने और उसके बदले मोटा मुनाफा मिलने का झांसा देकर 9 लाख रुपए ठग लिए। ठगी के शिकार कारोबारी ने पुलिस को शिकायती आवदेन दिया। पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

मूलतः भिंड हाल मुरार तिकोनिया में रहने वाले किरण पुत्र स्व. कपूर चंद जैन 36 वर्ष की सदर बाजार मुरार में वीर कमल पैलेस के नाम से आर्टिफिशियल ज्वेलरी की दुकान है। 20 अक्टूबर 2025 को किरण को फेसबुक के माध्यम से अम्बीरामी सत्यजीत आईडी से मैसेज आया। जिसमें गोल्ड में निवेश करने के बदले रिर्टन करने का झांसा दिया। किरण ने व्हाटसअप पर जब बात की तो वह झांसे में आ गया और उसने उसी दिन यूपीआई के माध्यम से बताए खाते में 50 हजार रुपए स्थानांतरित कर दिए। कारोबारी किरण ने 27 अक्टूबर को 50 हजार, 3 नवम्बर को 1 लाख, 10 नवम्बर 1 लाख, 17 नवम्बर 40 हजार, 19 नवम्बर 90 हजार व 10 हजार, 1 दिसम्बर 1 लाख, 2 दिसम्बर 50-50 हजार और 18 दिसम्बर को किरण ने ठग द्वारा बताए गए खातों में 50 हजार, 51 हजार, 90 हजार, 5 हजार और 4 हजार रुपए स्थानांतरित किए। कुल 8 लाख 90 हजार रुपए जमा कराने के बाद जब किरण ने अपने रुपए निकालना चाहा तो ठग ने बोला कि 7 लाख 80 हजार 810 रुपए टैक्स के देने पड़ेंगे। किरण ने रुपए होने से मना किया तो उसने कहा कि मोबाइल दे दो रुपए निकलवा दूंगा। ठगों की बातों में आकर किरण ने कोरियर से अपना मोबाइल भी भेज दिया। जब रुपए और मोबाइल वापस नहीं मिला तो कारोबारी को संदेह हुआ और उसने पुलिस को आपबीती सुनाई। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

जेंटलमेंस क्लब की पहली सालगिरह मनाई

ग्वालियर। जेंटलमेंस क्लब द्वारा गत दिवस क्लब की पहली सालगिरह मनाई गई। शायर रश्मि सबा ने अपनी शायरी से सभी का दिल जीत लिया। इसके पश्चात रंगारंग कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर राघवेन्द्र जादौन, नरेंद्र सेठ, सुनील राजानी, मनोज अग्रवाल, कन्हैया अग्रवाल, सुनील जाट, केदारनाथ गोयल उपस्थित रहे।

उटीला सेक्टर कामकाजी बैठक आयोजित

ग्वालियर। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' समिति द्वारा उटीला में सेक्टर की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की कामकाजी बैठक आयोजित की गई। जिसमें तय हुआ कि समितियों के सदस्य प्रति माह कोई भी एक समस्या पर चर्चा कर उसके निराकरण की सामूहिक योजना बनाएंगे। बैठक में धर्मेन्द्र दीक्षित, राजकुमार प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

पंचमुखी हनुमान मंदिर से दानपेटी चोरी

शिवपुरी। शहर के पंचमुखी हनुमान मंदिर से अज्ञात चोर ने देर रात दानपेटी चोरी कर ली। चोरी की पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। मंदिर के पुजारी सोनू शर्मा (25), निवासी सिद्धविनायक हॉस्पिटल के पास, पंचमुखी हनुमान मंदिर, ने थाने में मौखिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात करीब 11 बजे मंदिर के पट बंद कर वे घर चले गए थे। बुधवार सुबह 4 फरवरी को करीब 5 बजे मंदिर की सफाई करने वाले कैलाश योगी ने उन्हें दानपेटी गायब होने की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुजारी ने मंदिर पहुंचकर जांच की, जहां सिंदूरी रंग की लोहे की दानपेटी अपने स्थान से गायब मिली।

दूसरे दिन भी रेत के अवैध उत्खनन के विरुद्ध चला संयुक्त अभियान

चंबल राजघाट क्षेत्र में 15 हजार ट्रॉली अवैध रेत को कराया नष्ट

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिला प्रशासन द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार, सघन एवं प्रभावी संयुक्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को चंबल राजघाट, पिपरई एवं भानपुर क्षेत्र में वन विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग एवं खनिज विभाग की संयुक्त टास्क फोर्स द्वारा कार्रवाई करते हुए लगभग 15 हजार ट्रॉली अवैध चंबल रेत का विनष्टीकरण किया गया। विनष्टीकृत रेत का अनुमानित मूल्य लगभग 3 करोड़ रुपये बताया गया है।

जिलाधीश लोकेश कुमार जांगिड़ द्वारा अवैध रेत उत्खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला टास्क फोर्स की बैठक में सख्त निर्देश दिए गए थे। निर्देशों के पालन में संयुक्त टास्क फोर्स द्वारा निरंतर कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। अभियान के दौरान कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा के लिए पुलिस बल की प्रभावी तैनाती रही।

जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इस प्रकार की संयुक्त कार्रवाई आगे भी सतत रूप से जारी रहेगी। रेत विनष्टीकरण की प्रक्रिया में 20 जेसीबी एवं 5 लोडरों का उपयोग किया गया। कार्रवाई के दौरान वनमंडलाधिकारी हरिशचंद्र बघेल के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र डाबर, एसडीएम बी.एस. कुशवाह, जिला खनिज अधिकारी सुखदेव निर्मल, पुलिस लाइन के आरआई, राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य के एसडीओ सहित संबंधित राजस्व अमला उपस्थित रहा।

पिछोर में कांग्रेस नेता महेश लोधी समर्थकों सहित भाजपा में शामिल

नगर संवाददाता, शिवपुरी

पिछोर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने बुधवार, 4 फरवरी को जनपद पंचायत खनियाधाना की ग्राम पंचायत कमालपुर में नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता महेश लोधी ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ विधायक के समक्ष भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

जानकारी के अनुसार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 26 पिछोर अंतर्गत जनपद पंचायत खनियाधाना की ग्राम पंचायत कमालपुर में चल रहे विकास कार्यों की कड़ी में सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मोगराज मीणा, पिछड़ा वर्ग कार्यसमिति के सदस्य अशोक यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कांग्रेस के कट्टर नेता कहे जाने वाले महेश लोधी ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ली। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों से वे अत्यंत प्रभावित हैं। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व उन्होंने इस प्रकार के व्यापक विकास कार्य कभी नहीं देखे, जो वर्तमान में पूरे विधानसभा क्षेत्र में दिखाई दे रहे हैं। महेश लोधी ने कहा कि वे भाजपा परिवार में शामिल होकर पार्टी की नीतियों के अनुरूप निष्ठा और कर्तव्यपरायणता से कार्य करेंगे। विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने भाजपा में शामिल हुए सभी सदस्यों को गमछा पहनाकर पार्टी परिवार में स्वागत किया तथा उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

54 हजार से अधिक की अवैध शराब जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

दतिया। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मुड़ियन कुआं इलाके में पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 88 लीटर शराब जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत 54 हजार 290 रुपये बताई जा रही है।

टीआई धीरेन्द्र मिश्रा ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने एक किराना दुकान से लगे मकान पर छापामार कार्रवाई की, जहां से अवैध शराब बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी शशि भार्गव निवासी मुड़ियन कुआं को मौके से गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो स्थानों से 85 लीटर अवैध पेट्रोल जब्त

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिले में अवैध रूप से पेट्रोल एवं डीजल के भंडारण और विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को जिला आपूर्ति अधिकारी विभाग, राजस्व अमला एवं पुलिस बल द्वारा संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध पेट्रोल-डीजल विक्रय की सूचना पर छापेमारी की गई। निरीक्षण में भांडेर रोड दतिया निवासी सचिन पाल के कब्जे से 60 लीटर अवैध पेट्रोल जब्त किया गया। वहीं, उनाव रोड दतिया निवासी शिशुपाल गुर्जर के पास से 25 लीटर पेट्रोल अवैध रूप से भंडारित पाया गया, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

दोनों प्रकरणों में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 37 के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

दो साथियों को पहले ही पकड़ चुकी पुलिस

नगर संवाददाता, शिवपुरी

पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी।

कियोस्क संचालक से ऑनलाइन धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी बादशाह उर्फ नितेश उर्फ विकास मीणा निवासी किलगावंडी एवं पवन मीणा निवासी जैनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। मामले में इनके दो अन्य साथी अंकुश मीणा निवासी मातसूला एवं सुनील सेन निवासी श्योपुर को पुलिस द्वारा पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपियों द्वारा कियोस्क संचालक के साथ ऑनलाइन ठगी की गई थी।

दो करोड़ की लागत से औछापुरा में बन रहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

जिलाधीश ने निरीक्षण कर पीएचसी के शीघ्र निर्माण के दिए निर्देश

नगर संवाददाता, शिवपुरी

निर्माणाधीन पीएचसी भवन का निरीक्षण करते जिलाधीश।

विजयपुर विकासखंड के औछापुरा गांव में दो करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जा रहा है। बुधवार को जिलाधीश अर्पित वर्मा ने निर्माणाधीन पीएचसी भवन का निरीक्षण किया तथा गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इसी दौरान जिलाधीश ने रघुनाथपुर स्थित हायर सेकंडरी विद्यालय का भी अवलोकन किया। विद्यालय निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की गई। प्राचार्य एम.के. माहौर ने बताया कि विद्यालय में 654 विद्यार्थी दर्ज हैं। कक्षा 10वीं एवं 12वीं का पाठ्यक्रम पूर्ण हो चुका है। विद्यालय में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं संचालित हो रही हैं। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में स्थापित आईटी लैब का भी अवलोकन किया गया तथा विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही कंप्यूटर दक्षता की जानकारी ली गई।

परीक्षा से डरें नहीं, तनावमुक्त रहें : डीएम

आगामी 10 फरवरी से प्रारंभ हो रही कक्षा 12वीं तथा 13 फरवरी से प्रारंभ हो रही कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए जिलाधीश अर्पित वर्मा ने छात्र-छात्राओं से बिना तनाव के परीक्षा में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि परीक्षा को लेकर घबराएं नहीं, अपने नियमित अध्ययन के अनुसार पढ़ाई करते हुए आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दें।

सुविचार

सत्याग्रह की लड़ाई हमेशा दो प्रकार की होती है। एक जुल्मों के खिलाफ और दूसरी स्वयं की दुर्बलता के विरुद्ध।

संपादकीय

खेल के मैदान में राजनीति की पिच

आजादी के बाद से दशकों बीत चुके हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान-बांग्लादेश के रिश्ते अब भी इतिहास की परछाइयों से बाहर नहीं आ पाए हैं।

सीमाएं बदलीं, पीढ़ियां बदलीं, पर जब बात क्रिकेट की आती है तो उपमहाद्वीप की राजनीति बार-बार मैदान में आ खड़ी होती है। आईसीसी टी-20 विश्व कप से ठीक पहले उभरा ताजा विवाद इसी मानसिक जड़ता का उदाहरण है, जहां खेल कूटनीति का शिकार बनता दिख रहा है।

पाकिस्तान का भारत के खिलाफ निर्धारित मैच खेलने से इनकार केवल एक खेल संबंधी फैसला नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश भी है। तटस्थ स्थल को लेकर उठाई गई आपत्तियां और बांग्लादेश को मिली कथित अनदेखी की दलीलें दरअसल क्षेत्रीय असंतोष की परतें खोलती हैं। सच यह भी है कि टूर्नामेंट के आयोजन तय समय-सीमा और जटिल व्यवस्थाओं के तहत होते हैं, जहां आखिरी वक्त की जिद पूरे ढांचे को हिला देती है। फिर भी, हर दोष केवल पड़ोसियों पर मढ़ देना आसान लेकिन अधूरा निष्कर्ष होगा।

इस पूरे घटनाक्रम की चिंगारी कहीं न कहीं भारत के घरेलू क्रिकेट फैसलों से भी जुड़ी दिखती है। आईपीएल में एक बांग्लादेशी खिलाड़ी को लेकर लिया गया निर्णय, चाहे वह सुरक्षा या भावनात्मक प्रतिक्रिया से प्रेरित रहा हो, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक असर डाल गया। ढाका की तीखी प्रतिक्रिया और उसके बाद आईसीसी का कठोर रुख यह बताता है कि क्रिकेट अब सिर्फ बल्ले-गेंद का खेल नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय अस्मिताओं का मंच बन चुका है।

पाकिस्तान की प्रतिक्रिया में इतिहास की छाया भी साफ झलकती है। 1971 के विभाजन की स्मृतियां, बांग्लादेश की मौजूदा राजनीति और 'इस्लामी एकजुटता' की कोशिशें—ये सब मिलकर खेल को एक नए भू-राजनीतिक समीकरण में धकेल रही हैं। विडंबना यह है कि जिस बांग्लादेश का जन्म भाषाई और सांस्कृतिक आत्मसम्मान से हुआ, उसे आज फिर किसी और पहचान के खांचे में फिट करने की कोशिशें हो रही हैं।

इस त्रिकोणीय टकराव में सबसे बड़ा नुकसान खेल भावना का है। आईसीसी और प्रसारणकर्ताओं की भूमिका भी सवालों के घेरे में है, जो कारोबारी लाभ के लिए चिर-प्रतिद्वंद्वियों को एक ही मंच पर लाने की रणनीति बनाते रहे हैं। जब मुनाफा प्राथमिकता बन जाए और संवेदनशील रिश्तों को नजरअंदाज किया जाए, तो टकराव की संभावना स्वाभाविक है।

टी-20 विश्व कप शुरू होने को है, लेकिन एशियाई एकता का विचार बिखरा हुआ दिख रहा है। यह विवाद याद दिलाता है कि खेल को राजनीति से अलग रखने की बातें जितनी आकर्षक लगती हैं, उपमहाद्वीप की हकीकत में उतनी ही कठिन हैं। शायद अब वक्त है कि क्रिकेट के वैश्विक कर्णधार यह समझें—अगर खेल को लगातार राजनीतिक मोहरों की तरह इस्तेमाल किया गया, तो मैदान पर सिर्फ रन नहीं, भरोसा भी आउट होता चला गया...।

गुरुकुल से गूगल तक : ज्ञान की नहीं, चेतना की यात्रा

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

> गुरुकुल से गूगल तक की यात्रा तब ही पूर्ण और सार्थक होगी, जब तकनीक मनुष्य की चेतना को संकुचित नहीं, विस्तृत करे; जब शिक्षा रोजगार से आगे बढ़कर उत्तरदायित्व सिखाए; और जब मनुष्य यह समझ सके कि जान लेना ही पर्याप्त नहीं है, समझकर जीना ही ज्ञान का चरम है।निष्कर्ष रूप में कह सकते हैं कि यह यात्रा लंबी है - मिट्टी की सोंधी सुगंध से लेकर डेटा के निर्जीव सर्वर तक। परंतु ज्ञान की सार्थकता सूचनाओं के अंबार में नहीं, बल्कि उनके चरित्र में रूपांतरण में है। यदि हम गूगल की असीम शक्ति को गुरुकुल के संयम और अनुशासन के साथ जोड़ सकें, तो हम एक ऐसी सभ्यता का निर्माण करेंगे जो न केवल बुद्धिमान होगी, बल्कि प्रज्ञावान भी होगी।

गुरुकुल से गूगल तक की यात्रा को केवल शिक्षा-पद्धति के परिवर्तन के रूप में नहीं देखा जा सकता है, यह यात्रा वास्तव में मनुष्य की अंत:चेतना की यात्रा है। पहले ज्ञान साधना था, फिर साधन बना और अब उपभोग की वस्तु होता जा रहा है। यह यात्रा स्मृति से स्क्रीन तक, मौन से शोर तक और बोध से सूचना तक फैली हुई है।

गुरुकुल भारतीय संस्कृति की वह आयाम था जिसमें शिक्षा जीवन से अलग कोई संरचना नहीं थी। गुरु वहाँ केवल विषय का ज्ञाता नहीं, बल्कि जीवन की लय से जुड़ा हुआ पथप्रदर्शक था। शिष्य की आँखों में जिज्ञासा होती थी, उतावलापन नहीं। ज्ञान वहाँ धीरे-धीरे उतरता था - जैसे वर्षा की बूँदें मिट्टी में समाकर उसे उर्वर बनाती हैं। वहाँ शिक्षा का उद्देश्य उत्तर देना नहीं, प्रश्न को परिपक्व करना था। गुरुकुल का वातावरण प्रकृति के सान्निध्य में रचा गया था। वृक्ष, नदी, अग्नि और आकाश - सब शिक्षा के मौन सहपाठी थे। गुरु का एक वाक्य, एक दृष्टि, कभी-कभी केवल मौन, शिष्य के भीतर दीर्घकालिक स्पंदन उत्पन्न कर देता था। वहाँ ज्ञान का संचय नहीं, संस्कारों का बीजारोपण होता था। इसलिए शिक्षा आचरण बनती थी, जीवन का स्वभाव बनती थी। समय के साथ समाज की गति बदली। नगर बसे, व्यवस्थाएँ जटिल हुईं और शिक्षा संस्थानों में सीमित होने लगी। यह परिवर्तन आवश्यक था, क्योंकि ज्ञान को व्यापक होना था। पुस्तकों ने स्मृति को विस्तार दिया, विश्वविद्यालयों ने विचारों को मंच दिया, और विज्ञान ने मनुष्य को प्रश्न करने का साहस दिया। यह वह काल था जहाँ शिक्षा ने मनुष्य को बाह्य जगत को समझने और रूपांतरित करने की क्षमता दी। परंतु गूगल के युग में प्रवेश करते-करते शिक्षा का स्वरूप पुन: बदल गया। अब ज्ञान साधना नहीं, तत्काल उपलब्धता है। प्रश्न पूछने से पहले उत्तर स्क्रीन पर चमक उठता है। स्मृति की जगह खोज ने ले ली है और अनुभूति की जगह सूचना ने। आज मनुष्य बहुत कुछ जानता है, पर कम ही समझता है। गूगल युग की सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं कि ज्ञान सतही हो गया है, बल्कि यह है कि मनुष्य का ठहराव खो गया है। वह जानने की प्रक्रिया में नहीं, केवल परिणाम में रुचि रखता है। पढ़ना अब संवाद नहीं रहा, स्क्रॉल बन गया है। सोचने से पहले हम खोजते हैं, और खोजने के बाद सोचने की आवश्यकता महसूस नहीं करते। गुरुकुल में गुरु ज्ञान का संस्कारकर्ता था - गूगल में ज्ञान निराकार, अनिर्दिष्ट और निर्वैयक्तिक है। वहाँ सत्य-असत्य का भेद शिष्य की चेतना के स्तर पर होता था; यहाँ वह एल्गोरिद्म और प्रवृत्ति के हवाले है। चयन का अधिकार हमारे पास है, पर चयन की क्षमता (विवेक) दिनोंदिन क्षीण होती जा रही है।

फिर भी यह कहना उचित नहीं कि गूगल युग केवल पतन का प्रतीक है। प्रत्येक युग अपनी संभावनाएँ लेकर आता है। गूगल ने ज्ञान के द्वार सबके लिए खोल दिए हैं। प्रश्न यह नहीं कि माध्यम क्या है - प्रश्न यह है कि हम उससे क्या बनने का साहस रखते हैं। आज आवश्यकता गुरुकुल की भौतिक पुनर्स्थापना की नहीं, बल्कि उसकी आत्मा को बचाए रखने की है। हमें ऐसे गुरु चाहिए जो सूचना के इस अरण्य में दिशा दे सकें। ऐसे शिक्षण-संस्कार चाहिए जो तकनीक का उपयोग करें, पर मनुष्य को मशीन न बनने दें। जहाँ प्रश्न पूछना फिर से साहस हो, और मौन फिर से अर्थवान बने गुरुकुल से गूगल तक की यात्रा तब ही पूर्ण और सार्थक होगी, जब तकनीक मनुष्य की चेतना को संकुचित नहीं, विस्तृत करे; जब शिक्षा रोजगार से आगे बढ़कर उत्तरदायित्व सिखाए; और जब मनुष्य यह समझ सके कि जान लेना ही पर्याप्त नहीं है, समझकर जीना ही ज्ञान का चरम है।निष्कर्ष रूप में कह सकते हैं कि यह यात्रा लंबी है - मिट्टी की सोंधी सुगंध से लेकर डेटा के निर्जीव सर्वर तक। परंतु ज्ञान की सार्थकता सूचनाओं के अंबार में नहीं, बल्कि उनके चरित्र में रूपांतरण में है। यदि हम गूगल की असीम शक्ति को गुरुकुल के संयम और अनुशासन के साथ जोड़ सकें, तो हम एक ऐसी सभ्यता का निर्माण करेंगे जो न केवल बुद्धिमान होगी, बल्कि प्रज्ञावान भी होगी। यह समय तकनीक को त्यागने का नहीं, बल्कि तकनीक को संस्कारित करने का है। तभी हम गर्व से कह पाएंगे कि हम केवल सूचनाओं के उपभोक्ता नहीं, बल्कि बोध के वास्तविक उत्तराधिकारी हैं। गुरुकुल की आत्मा और गूगल की गति का यह संगम ही आधुनिक मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

सेहत

भूमि आंवला के फायदे

प्रकृति ने हमें अनमोल औषधीय पौधों का खजाना दिया है, और उनमें से एक है भूमि आंवला — जिसे भुई आंवला या भूम्यामलकी भी कहा जाता है। यह पौधा छोटा जरूर होता है, लेकिन इसके औषधीय गुण बहुत बड़े हैं। आयुर्वेद में भूमि आंवला को लीवर टॉनिक और पथरी नाशक पौधा कहा गया है। इसका उपयोग सदियों से लीवर की बीमारियों, किडनी स्टोन, पाचन विकार और मधुमेह जैसी समस्याओं के उपचार में किया जाता रहा है।

भूमि आंवला के औषधीय फायदे

किडनी स्टोन में लाभकारी

भूमि आंवला का सबसे बड़ा गुण यह है कि यह गुर्दे की पथरी को गलाने और मूत्रमार्ग से बाहर निकालने में मदद करता है। यह पेशाब की रुकावट, जलन और मूत्र संबंधी संक्रमणों को भी दूर करता है।

लीवर को मजबूत बनाए

यह लीवर की कार्यक्षमता को बढ़ाता है और हेपेटाइटिस, फैटी लिवर व जॉन्डिस जैसी बीमारियों में अत्यंत लाभकारी है। यह लीवर को विषैले पदार्थों से मुक्त करके शरीर को डिटॉक्स करता है।

पाचन तंत्र को सुधारने में

भूमि आंवला गैस, अपच, पेट दर्द और कब्ज जैसी समस्याओं में बहुत उपयोगी है। इसका नियमित सेवन पाचन शक्ति को मजबूत करता है और भोजन का सही अवशोषण सुनिश्चित करता है।

शरीर की गर्मी और त्वचा की समस्या में राहत

यह शरीर की आंतरिक गर्मी को कम करता है, जिससे त्वचा पर निकलने वाले दाने, खुजली या एलर्जी जैसी समस्याएँ कम होती हैं।

ब्लड शुगर रखें नियंत्रित

इस पौधे में एंटी-डायबिटिक तत्व होते हैं जो रक्त शर्करा को नियंत्रित रखते हैं और इंसुलिन के स्तर को संतुलित करते हैं।

खून को साफ करने में -

यह रक्त को शुद्ध करने में मदद करता है और शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालकर त्वचा को स्वस्थ बनाए रखता है।

संक्रमण से बचाव

भूमि आंवला में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को इंफेक्शन से बचाते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

भूमि आंवला का काढ़ा बनाने का तरीका

ताजे पौधे से - 5-6 टहनियाँ पत्ते सहित लें। उन्हें साफ पानी से धो लें, फिर 1 कप पानी उबालें और उसमें टहनियाँ डालें। लगभग 5-7 मिनट धीमी आँच पर पकाएँ। इसे छानकर गुनगुना पीएँ। स्वाद के लिए थोड़ा शहद या नींबू मिला सकते हैं।

नर्मदा को अरावली का संदेश

राज कुमार सिन्हा

नर्मदा नदी में रेत खनन की समस्या को अरावली पर्वतमाला में हुए खनन के अनुभव के संदर्भ में समझना बहुत जरूरी है, क्योंकि अरावली आज हमारे सामने एक चेतावनी के रूप में खड़ी है। दोनों ही मामलों में प्रकृति के साथ वही भूल दोहराई जा रही है, विकास के नाम पर पारिस्थितिक आत्महत्या। अरावली पर्वतमाला विश्व की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इसका काम भूजल को रिचार्ज करना, मरुस्थलीकरण को रोकना, जैव विविधता का संरक्षण और स्थानीय जलवायु संतुलन को बनाए रखना है। लेकिन अवैध और अंधाधुंध खनन ने इसे लगभग नष्ट कर दिया है। अरावली में खनन के कारण भूजल स्तर में भारी गिरावट , धूल और प्रदूषण से श्वसन रोग, वन्यजीवों का पलायन, मरुस्थलीकरण का विस्तार और प्राकृतिक पहाड़ियों का समतलीकरण हो गया। नर्मदा में रेत खनन की वही कहानी दोहराई जा रही है। रेत नदी की रीढ़ होती है, जो नदी के तल को स्थिर रखती है और जलीय जीवों का आवास एवं भूजल रिचार्ज की कुंजी है। लेकिन जब रेत को मशीनों से निकाला जाता है, तो नदी की आत्मा ही खत्म हो जाती है। नर्मदा नदी में अनियंत्रित और अवैध रेत खनन से पारिस्थितिक तंत्र को गंभीर नुकसान हो रहा है। इसके प्रमुख प्रभावों में नदी तल का कटाव, भूजल स्तर में गिरावट, जलीय जीवों (विशेषकर महाशीर मछली) के आवास का विनाश, मछुआरों की आजीविका पर संकट, और नदियों में गाद जमा होने से बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

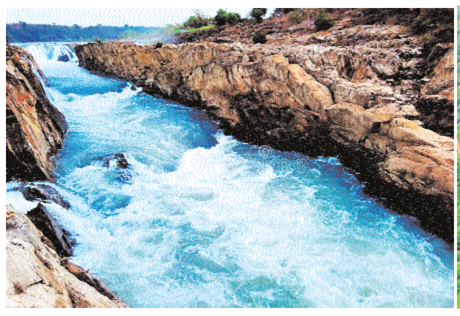

अवैध खनन से नदी का प्राकृतिक प्रवाह और तल का आकार बदल रहा है। नदी तल के क्षरण से जल स्तर नीचे जा रहा है।नदी के पानी का स्तर कम होने से आसपास के क्षेत्रों में भूजल स्तर गिर रहा है, जिससे सूखे की स्थिति उत्पन्न हो रही है। नर्मदा में रेत खनन के प्रभाव को अरावली से तुलना करने से पता चलता है कि अरावली खनन से पहाड़ खोखले हुए तो नर्मदा रेत खनन से नदी का तल गहरा हुआ। अरावली में जल स्त्रोत सूखे तो नर्मदा किनारे के कुएं और हैंडपंप सूख गए। अरावली में मरुस्थलीकरण बढ़ा तो नर्मदा नदी का तट कटाव बढ़ा है। अरावली में वन्यजीवों का संकट बढ़ा तो नर्मदा में मछलियां, कछुए नष्ट हो गए। अरावली में स्थानीय किसान एवं पशुपालकों का आजीविका खत्म हुआ तो नर्मदा में मछुआरे और किसान प्रभावित हो रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि अरावली में पहाड़ मरे, नर्मदा में नदी मर रही है।खनन के अतिरिक्त बांधों के कारण नर्मदा का प्रवाह रूकने और प्रदूषण भी स्थिति को गंभीर बना रहा है। रेत खनन इस संकट को तीन गुना बढ़ा देता है। बांधों से गाद रुकती है और रेत खनन से नदी खुद को भर नहीं पाती है। नतीजा नदी स्थायी रूप से कमजोर हो रही है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने नदी तल से मशीन द्वारा खनन प्रतिबंधित किया, सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण स्वीकृति अनिवार्य किया और खनिज नियम सीमित और नियंत्रित खनन की अनुमति देता है। परन्तु वास्तविकता यह है कि रात में जेसीबी और पोकलेन का इस्तेमाल कर रेत खनन किया जा रहा है। प्रशासनिक चुप्पी और स्थानीय विरोध को अनसुना किया जा रहा है। ठीक वैसा ही, जैसा अरावली में दशकों तक होता रहा। अरावली से हमने नहीं सीखा, तो नर्मदा घाटी में जल संकट होगा, खेती पर गहरा असर, धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्था को आघात, बाढ़ और कटाव की तीव्रता और भविष्य में नदी पुनर्जीवन असंभव होगा। इसलिए अरावली को दर्पण बनाकर नर्मदा को बचाना होगा। नर्मदा सिर्फ एक नदी नहीं,जीवनदायिनी है,सांस्कृतिक धरोहर है और मध्य भारत की जल-रेखा है। यदि आज रेत खनन नहीं रुका, तो आने वाली पीढ़ियां नर्मदा को किताबों और तस्वीरों में ही देखेंगी,ठीक वैसे ही जैसे आज अरावली की हो गई है।

ज्ञानवाणी

मैं मकान लेकर कहीं जाऊँगा थोड़े ही

कल मैं अपनी पुरानी सोसाइटी गया था। वहाँ जाना हमेशा अच्छा लगता है—पुराने चेहरे, पुरानी यादें, और जिंदगी के बीते हुए किस्से। मैं गेट पर खड़े गार्ड से हाल-चाल पूछ ही रहा था कि तभी मोटरसाइकिल पर बैठा एक आदमी रुका। उसने झुककर बड़े आदर से कहा— भैया, प्रणाम। चेहरा जाना-पहचाना था, लेकिन नाम याद नहीं आ रहा था। मेरे सोचने से पहले ही वह मुस्कराया— भैया, पहचाने नहीं? हम बाबू हैं सी-ब्लॉक वाली आंटीजी के यहाँ काम करते थे। अरे! बाबू! वही बाबू, जो कभी साइकिल से आता-जाता था, दुबला-पतला सा। मैंने का— अरे बाबू! तुम तो बहुत तंदुरुस्त हो गए हो। आंटी कैसी हैं? बाबू पहले हँसा, फिर उसकी हँसी धीरे-धीरे थम गई। आंटी तो चली गईं, भैया चली गईं? कहाँ? मैंने सोचा बेटा उन्हें विदेश ले गया होगा। बाबू ने आँखें झुका लीं— भगवान जी के पास। मेरे मुँह से बस इतना ही निकला— ओह कब? दो महीने हो गए। कुछ पल खामोशी रही। फिर बाबू बोला— बुढ़ापा ही बीमारी था भैया। बेटा बहुत दिनों से नहीं आया था। आंटी जी उसे बहुत याद करती थीं, लेकिन अपना घर छोड़कर नहीं गईं। कहती थीं— अगर चली गई तो कोई मकान पर कब्ज़ा कर लेगा। बहुत मेहनत से बनाया है, मैंने भारी मन से पूछा— अब तुम क्या करोगे बाबू? बाबू फिर हँस पड़ा, इस बार हल्की-सी राहत वाली हँसी। मैं क्या करूँगा भैया? अब तो अपनी फैमिली यहीं ले आया हूँ। पत्नी और दो बच्चे। यहीं मतलब उसी मकान में? हाँ भैया। आंटी के जाने के बाद उनका बेटा आया था। एक हफ्ता रुका और चला गया। कह गया— 'तुम ही घर देखते रहना। चार कमरे का फ्लैट है, खाली कैसे छोड़ दूँ।' अब यहीं रहकर देखभाल कर रहा हूँ। बच्चों का यहीं स्कूल में एडमिशन हो गया है। वो बाहर से पैसे भी भेज देते हैं। मैं अवाक था। जिस मकान को बचाने के डर से आंटी बेटे के पास नहीं गईं, आज उसी मकान में बाबू अपने बच्चों के साथ चैन से रह रहा था। मैंने पूछा— तुमने उन्हें बताया कि तुम्हारी पूरी फैमिली यहाँ रह रही है? बाबू हँस पड़ा—बताने वाली क्या बात है भैया? वो अब कौन यहाँ आने वाले हैं? और मैं मकान लेकर कहीं जा भी तो नहीं रहा मैं तो बस देखभाल ही कर रहा हूँ। उसकी हँसी में कोई चालाकी नहीं थी, बस जीवन की सच्ची समझ थी। मैंने बाबू से हाथ मिलाया और चलते-चलते कहा— भाई, जिसने कहा है कि मूर्ख आदमी मकान बनवाता है, और बुद्धिमान आदमी उसमें रहता है— उसे जिंदगी का बड़ा गहरा तजुर्बा रहा होगा। बाबू ने बस इतना कहा— साहब, सब किस्मत की बात है। मैं वहाँ से लौट आया। पर बाबू की हँसी मेरे कानों में गूंजती रही— मैं मकान लेकर कहीं जाऊँगा थोड़े ही तभी समझ आया—हम सब क्या कर रहे हैं? मकान बना रहे हैं, पर रिश्तों को टाल रहे हैं। भविष्य बचा रहे हैं, पर वर्तमान खो रहे हैं। सच यही है मकान कोई नहीं ले जाता, सब यहीं रह जाता है। जिंदगी के चार दिन हैं— मिल-जुलकर, हँसते-हँसाते, परमात्मा को याद करते हुए जी लें। क्योंकि जब बुलावा आता है, तो आदमी नहीं, उसका मकान अकेला रह जाता है।

डिजिटल चक्रव्यूह में फंसा बचपन

गाजियाबाद की त्रासदी जिसमें आनलाइन गेम का टास्क पूरा करते हुए तीन किशोरियां जो आपस में सगी बहनें थी, उन्होंने नौवीं मंजिल से छलांग लगा दी। यह महज दुखद दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारे भारतीय समाज के डिजिटल संक्रमण की ऐसी इच्छा मृत्यु है जिसे प्रगति के नाम पर देश की भावी पीढ़ी खुद चाह रही है। इस घटना की प्रारंभिक जांच में जब कोरियन लव गेम का नाम सामने आया, तो एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया कि हम जिस इंटरनेट को ज्ञान का सागर समझ रहे थे, वह तो हर रोज का डेथ वारंट है। उसमें घातक खेलों का ऐसा दलदल भी है जो बच्चों की कोमल संवेदनाओं को निगल रहा है। यह हादसा तकनीक के गलत उपयोग से कहीं ज्यादा माता-पिता की अनदेखी और परिवारों के बीच बढ़ती भावनात्मक शून्यता का जीवंत उदाहरण है।

बच्चों में डिजिटल एडिक्शन ड्रग्स से भी अधिक घातक साइलेंट किलर की तरह घुसपैठ कर रहा है। यह डिजिटल नशा बच्चों का भविष्य खा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा गेमिंग डिसऑर्डर को मानसिक बीमारी की सूची में डालना इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि यह समस्या अब नियंत्रण से बाहर हो रही है। आंकड़ों पर गौर करें तो भारत में लगभग 45 करोड़ से अधिक सक्रिय ऑनलाइन गेमर्स हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक बहुत बड़ा हिस्सा 15 से 25 वर्ष की आयु के युवाओं और किशोरों का है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की हालिया रिपोर्ट्स भी संकेत देती हैं कि किशोरों में बढ़ते तनाव और आत्महत्या की घटनाओं के पीछे साइबर बुलिंग और गेमिंग चैलेंज जैसे कारक प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

मनोवैज्ञानिक रूप से समझें तो जब बच्चा घंटों स्क्रीन से चिपका रहता है, तो उसके मस्तिष्क में डोपामाइन नामक रसायन का अत्यधिक स्राव होता है। जो उसे झूठा रोमांच और आभासी खुशी देता है। जैसे ही उसका वास्तविकता से सामना होता है या उससे फोन छीन लिया जाता है, वही बच्चा अचानक अवसाद, चिड़चिड़ेपन या हिंसक व्यवहार का ग्रस्त हो जाता है।

आज माता-पिता जितने स्मार्ट बन रहे है, बचपन उतना अकेला होते जा रहा है। विडंबना है माता-पिता बच्चों को चुप कराने या व्यस्त रखने के लिए हाथ में मोबाइल थमा देते हैं। आज डिजिटल पेरेंटिंग का अर्थ केवल इंटरनेट पैक डलवाना रह गया है। माता-पिता स्वयं भी इस चक्रव्यूह से मुक्त नहीं हैं। वे दूसरों को व्हाट्सएप पर सुप्रभात और संस्कारों के संदेश भेजने में घंटों व्यतीत करते हैं, लेकिन बगल में बैठे अपने बच्चे की आंखों में पसरे सन्नाटे को नहीं पढ़ पाते। जब घर का वातावरण ऐसा हो जाए जहां हर सदस्य अपनी-अपनी स्क्रीन में कैद हो, तो बच्चे स्वाभाविक रूप से भावनात्मक अकेलापन महसूस करते हैं। बच्चे मोबाइल नहीं मांगते, वे आपका समय मांगते हैं। जब उन्हें समय नहीं मिलता, तब वे मोबाइल का विकल्प चुनते हैं। और अजनबियों, लव गेम्स जैसे खतरनाक प्लेटफार्मों की शरण में जाते हैं, जहां उन्हें महत्व मिलने का भ्रम होता है।

ऑनलाइन गेम्स भ्रमजाल है। गाजियाबाद की घटना में जिस गेम का जिक्र आया है, वह बच्चों की मनोवैज्ञानिक कमजोरी और प्रेम की इच्छा का फायदा उठाता है। ये गेम्स किशोरों को धीरे-धीरे वास्तविकता से काट देते हैं और उन्हें ऐसे टास्क में उलझा देते हैं जहां मृत्यु उन्हें डरावनी नहीं, बल्कि रोमांचक चुनौती या मुक्ति मार्ग लगने लगती है। सामाजिक मेलजोल की कमी के कारण बच्चों में तुलना और प्रतिस्पर्धा का भाव इतना बढ़ जाता है कि वे अपनी हार को बर्दाश्त नहीं कर पाते और आत्मघाती कदम उठा लेते हैं।

भारत में तेलंगाना में ही 1023 मृत्यु के मामले 2025 में और पूरे भारत में 32 मामले पैसे वाले गेम में आत्महत्या के दर्ज हुए है। विशेषज्ञों का मानना है यह आंकड़ा और भी बड़ा है। इसके लिए समाधान की राह चुननी होगी। बच्चों को पाबंदी से नहीं, प्रेम और संवाद के जरिए समझाना होना। कंट्रोल नहीं कनेक्ट को अपनाना होगा। बच्चे नियम थोपने या अचानक मोबाइल छीनने से विद्रोही बन सकते हैं। समाधान निम्नलिखित बिंदुओं में निहित है:-

डिजिटल डिटॉक्स और पारिवारिक समय जिसमें घर में कम से कम एक घंटा ऐसा हो जहां कोई भी सदस्य फोन का उपयोग न करे। बल्कि साथ भोजन करे और एक-दूसरे के अनुभव सुने।

बच्चों के व्यवहार के सूक्ष्म संकेतों को पहचानें। यदि बच्चा अचानक चुप रहे, उसे नींद न आए, वह अंधेरे कमरे में समय बिताए या उसकी भूख कम हो, तो ये चिंतनीय हैं। उसे जासूसी के लहजे में नहीं, बल्कि मित्र की तरह बात करें।

सक्रिय निगरानी और तकनीकी शिक्षा स्वयं माता-पिता को समझनी होगी। बच्चा क्या देख रहा है जाने लेकिन इसे बच्चे की निजता का सम्मान के साथ सुरक्षा कवच की तरह लागू करें।

शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा दें। आभासी दुनिया की जीत से बेहतर है मैदान की हार है। बच्चों को खेलकूद, चित्रकारी, संगीत जैसी रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ें ताकि उनका डोपामाइन स्तर प्राकृतिक रूप से संतुलित रहे।

आज जागना अनिवार्य है। गाजियाबाद की वह नौवीं मंजिल केवल ईंट-पत्थरों का हिस्सा नहीं थी, बल्कि वह हमारी गिरती हुई पारिवारिक संवेदनाओं का प्रतीक थी। कोई ऐप, कोई रील्स या कोई गेम अपने बच्चों के जीवन से अधिक कीमती नहीं है। यदि हम आज अपने बच्चों के लिए उपस्थित नहीं हुए, तो कल हम उन्हें हमेशा के लिए खो सकते हैं। याद रखिए, बच्चों को महंगे गैजेट्स से अधिक माता-पिता के समय और स्पर्श की आवश्यकता है।

सचेत रहें, संवाद बनाए रखें और अपने घर को फिर से भावनाओं का घर बनाएं, डिजिटल टापू नहीं।

सपना सी.पी. साहू 'स्वप्निल'
स्वरचित, मौलिक व अप्रकाशित आलेख

जिले की शराब ठेकेदार फर्म की पार्टनर सोम डिस्टलरी के लाइसेंस निलंबित

- **फर्जी परमिट घोटाले में आबकारी उपनिरीक्षक हो चुकी है बर्खास्त**
- **रिटायर अधिकारी-कर्मचारियों पर वसूली की तलवार लटकी**

(नि.प्र.)

सागर। इंदौर के पांच साल पुराने शराब के बहुचर्चित फर्जी परमिट घोटाले में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। अभिजीत अग्रवाल, आयुक्त आबकारी विभाग, ग्वालियर ने वर्ष 2021 में इंदौर के देपालपुर पुलिस थाने की कार्रवाई के बाद आए न्यायालयीन फैसले के बाद नामचीन शराब निर्माता सोम डिस्टलरीज एंड ब्रेवरीज, रायसेन स्थित दो डिस्टलरी के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। बुधवार को आयुक्त कार्यालय, ग्वालियर ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। इधर इस कार्रवाई की आंच सागर जिले तक भी पहुंचने की चर्चा है! कारण ये है कि सोम डिस्टलरीज, यहां 'रेडब्रिज' नाम की लाइसेंसी ठेकेदार फर्म की मुख्य भागीदार है। बता दें कि आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी आदेश में विभाग के ही कई वरिष्ठ अधिकारियों को इस सिंडिकेट का हिस्सा पाया गया था।

जांच में 1500 से अधिक फर्जी परमिट मिले

यह पूरा मामला रायसेन स्थित सोम डिस्टलरीज की इकाइयों से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर शराब परिवहन से जुड़ा है। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश, देपालपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 21/2021 में दिए गए निर्णय के अनुसार, आरोपियों ने ट्रक क्रमांक MP 09 HF 5185 और परमिट संख्या 10363 के नाम पर एक बड़ा जाल बुना था। जांच में सामने आया कि डिस्टलरी से अवैध लाभ कमाने के लिए हजारों की संख्या में कूट रचित (फर्जी) परमिट बुक तैयार की गई थीं।

आबकारी अधिकारियों की भूमिका साबित

दस्तावेजों के अनुसार, इस आपराधिक षडयंत्र में आबकारी विभाग के अधिकारी और डिस्टलरी के कर्मचारी कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे थे। पकड़े गए फर्जी परमिटों की संख्या और दोषी/संदिग्ध अधिकारियों के नाम इस प्रकार हैं- प्रीति गायकवाड़ (आबकारी उपनिरीक्षक): इनके नाम से 279 फर्जी परमिट का मामला सामने आया। शासन ने इन्हें सेवा से बर्खास्त (पदच्युत) कर दिया है।
कैलाश चंद्र बंगाली (तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी): इनके कार्यकाल में 29 फर्जी परमिट बुक पकड़ी गईं।
मदन सिंह पवार (सहायक जिला आबकारी अधिकारी): इनके पास से 5 फर्जी परमिट बुक बरामद हुईं।
रामप्रसाद मिश्रा (आबकारी उपनिरीक्षक): इनके नाम पर 25 फर्जी परमिट का उल्लेख है। इनमें से बंगाली, पवार और मिश्रा सेवानिवृत्त हो चुके हैं, अतः इनके विरुद्ध विभागीय जांच का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इसके अलावा, सोम डिस्टलरीज के प्रतिनिधि मोहन सिंह तोमर (676 परमिट), संजय गोहे (282 परमिट), वीरेंद्र भारद्वाज (272 परमिट), उमाशंकर शर्मा (75) और दिनकर सिंह (65) जीडी अरोरा को भी इस फर्जीवाड़े में सजा सुनाई गई थी।

हाईकोर्ट के स्टे का नहीं मिला सहारा

आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सोम डिस्टलरीज की सेहतगंज और रोजराचक (रायसेन) स्थित इकाइयों के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 31(1) के तहत सख्त कार्रवाई की गई है। शासन ने कंपनी के डी-1 (डिस्टलरी), एफ.एल.-9 (मसाला शराब), सी.एस.-1 (देशी मदिरा) और बी-3 सहित कुल 15 से अधिक श्रेणी के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। हालांकि कंपनी ने हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ से सजा पर स्थगन लिया था, लेकिन महाधिवक्ता के विधिक अभिमत के बाद विभाग ने स्पष्ट किया कि 'दोषसिद्धि' अभी भी प्रभावी है, इसलिए लाइसेंस का संचालन जारी रखना कानूनन गलत है।

सागर के भागीदारों के बीच हलचल मची

सागर जिले के शराब ठेकेदारों में इस खबर से हलचल मची हुई है। चूंकि सोम डिस्टलरीज यहाँ की प्रमुख लाइसेंसी फर्म 'रेडब्रिज' में पार्टनर है, इसलिए इस कार्रवाई का सीधा असर सागर के शराब कारोबार पर भी पड़ना तय माना जा रहा है। शासन की इस कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि रसूखदार डिस्टलरी संचालकों और भ्रष्ट अधिकारियों का गठजोड़ अब कानून के शिकंजे में है।

आदर्श संगीत महाविद्यालय के 44 वें स्थापना दिवस पर भगवान नटराज की प्रतिमा का अनावरण

(नि.प्र.)

सागर। आदर्श संगीत महाविद्यालय के 44 वें स्थापना दिवस एवं भगवान नटराज की प्रतिमा के अनावरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक शैलेंद्र कुमार जैन उपस्थित हुए। उन्होंने भगवान नटराज को नमन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। अपने संबोधन में विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि संगीत योग और ध्यान का प्रभावी माध्यम है, जो मन को शांति और आत्मिक संतुलन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह सागर के लिए गर्व का विषय है कि मध्यप्रदेश का पहला स्नातकोत्तर संगीत महाविद्यालय यहीं स्थित है। जनप्रतिनिधि होने के नाते उन्होंने महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास हेतु पूर्ण सहयोग का संकल्प दोहराते हुए कहा कि चाहे शिक्षकों की भर्ती, कक्षों का निर्माण अथवा अन्य शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार का विषय हो, वे हर स्तर पर सहयोग करेंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय समरसता प्रमुख सुनील देव ने अपने संबोधन में महाविद्यालय समिति को मार्गदर्शन देते हुए रचनात्मक सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. श्याम मनोहर सिरोठिया ने कहा कि संगीत केवल कला नहीं, बल्कि एक साधना है, जिसे और अधिक व्यापक स्वरूप देने की आवश्यकता है। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. वाई. एस. ठाकुर ने भी संक्षिप्त उद्बोधन में संगीत शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्था अध्यक्ष सुभाष कण्डया एवं सचिव सिद्धार्थ शंकर शुक्ला ने महाविद्यालय की उपलब्धियों एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनोज डेंगरे, राजीव चौरसिया, आकाश मिश्रा, दामोदर अग्निहोत्री, संतोष श्रीवास्तव, राजेंद्र सेन, प्रसूख जैन, विनोद तिवारी, सर्वेश्वर उपाध्याय, कमलेश जैन सहित बड़ी संख्या में साहित्य एवं संगीत प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं कला हमारी सांस्कृतिक चेतना की आत्मा है, जिसे संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न प्रतियोगिताएं सम्पन्न

सागर (नि.प्र.) शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय जिला सागर के अर्थशास्त्र विभाग में कौटिल्य आर्थिक क्लब के तत्वाधान में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पोस्टर निर्माण में छात्राओं ने पाठ्यक्रम आधारित चित्रों का निर्माण किया ,जिसमें छात्राओं ने पोस्टर के आधार पर चित्रों का प्राचार्य को स्पष्टीकरण बताया तथा सरकार की सामाजिक कल्याण संबंधी योजनाओ जैसे उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के संबंध में अपने-अपने विचार बताएं ।समूह चर्चा के अंतर्गत छात्राओं ने बढ़ती बेरोजगारी के कारण एवं निराकरण के उपाय को साझा किया तथा छात्राओं ने बताया कि हम युवा शक्ति को मिलकर ही बेरोजगारी की समस्या का समाधान करना होगा महाविद्यालय के संरक्षक एवं प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में छात्राओं से कहा कि इन सब के साथ में आप सबको अपने नैतिक मूल्यों एवं संस्कृति को बनाए रखने की आवश्यकता है। विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बिंदु श्रीवास्तव एवं डॉ.अंजना चतुर्वेदी ने छात्राओं को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती दुर्गेश नंदनी गायकवाड़ द्वारा किया गया एवं आभार डॉ. मनीषा शर्मा ने व्यक्त किया।

पटवा मंदिर में संकल्प फाउंडेशन ने किया सुंदरकांड पाठ का आयोजन

सागर (नि.प्र.) पटवा मंदिर, बाघराज वार्ड में संकल्प फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित सुंदरकांड पाठ का पावन कार्यक्रम अत्यंत भव्यता, श्रद्धा और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, श्रद्धालुजन एवं संकल्प फाउंडेशन के सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे। सुंदरकांड पाठ के दौरान प्रभु श्रीराम के नाम-स्मरण और चौपाइयों के सामूहिक उच्चारण से मंदिर परिसर ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण क्षेत्र भक्तिमय, सकारात्मक और राममय ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में गहरी आस्था, अनुशासन और आध्यात्मिक उल्लास देखने को मिला। संकल्प फाउंडेशन द्वारा निरंतर किए जा रहे ऐसे आयोजनों को क्षेत्रवासियों ने सराहा और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर संकल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री रिशांक तिवारी ने कहा 'सुंदरकांड पाठ जैसे धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने, सकारात्मक सोच को प्रबल करने और नई पीढ़ी को अपने संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। संकल्प फाउंडेशन का उद्देश्य केवल सामाजिक सेवा ही नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और संस्कारों को जीवित रखना भी है। प्रभु श्रीराम के आदर्शों से प्रेरित होकर हम समाज के हर वर्ग के साथ मिलकर सेवा और सद्भाव के कार्य निरंतर करते रहेंगे। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के जयकारों के साथ समाज में शांति, समृद्धि और सौहार्द की कामना की। इस अवसर पर संचित शुक्ल , नमन चौबे , कमलेश प्रजापति , कमलेंद्र जाटव , रत्नेश जाटव , सागर जाटव , विवेक , ध्रुव मिश्र , रोहित , राजा जाटव , शिवांश आदि उपस्थित रहे ।

विधान के पात्रों का चयन हुआ, 8 फरवरी को सुबह घटयात्रा गोपालगंज मंदिर से निकलेगी

सागर (नि.प्र.) केंद्रीय जेल सागर में मुनि श्री निष्कंप सागर महाराज और मुनि श्री निष्काम सागर महाराज के सानिध्य में होने वाले श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान में पहले दिन 8 फरवरी को गोपालगंज जैन मंदिर से श्रीजी को लेकर घटयात्रा प्रारंभ होगी जो जेल में जाकर समाप्त होगी जहां पर भगवान का अभिषेक शांति धारा होगी। मुकेश जैन ढाना ने बताया कि प्रमुख पात्रों में श्रीपाल मैना सुंदरी नीरज सोनम जैन सन्मत रोड लाइंस, ध्वजारोहणकर्ता भामाशाह महेश बिलहरा, सौधर्म इंद्र सुमन संतोष बिलहरा, कुबेर इंद्र नरेंद्र नायक तिलकगंज, महायज्ञ नायक नीलेश कविता जैन बाहुबली कॉलोनी, यज्ञनायक उषा देवेंद्र जैना स्टील, ईशान इंद्र नीरज खुर्देलिया, द्रव्य दानदाता वैभव तनु राहुल बड़कुल,आजाद जैन जबलपुर, सहित 108 इंद्र इंद्राणी इस विधान में बैठकर पुण्यार्जन करेंगें। 8 से 12 फरवरी तक विधान का आयोजन किया जा रहा है विश्व कल्याण की भावना से केंद्रीय जेल सागर में सातवीं बार आयोजन हो रहा है। ब्रा डॉ रेखा दीदी इस विधान का निर्देशन कर रही है।

सूने मकान में चोरों ने बोला धावा, सोने चांदी के जेवरात और नगदी पर किया हाथ साफ

(नि.प्र.)

सागर। ठंड के दौरान चोरी की घटनाएं बढ़ जाती हैं। आए दिन किसी न किसी थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं होती रहती है। एक ऐसा ही मामला नरयावली थाना से सामने आया है। जहां चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाया और उक्त मकान से चोर सोने चांदी के जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर चंपत हो गए। घटना की जानकारी लगते ही मकान मालिक ने थाना में चोरी की घटना की शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम कांचरी निवासी जयनारायण पिता रामनारायण उदेनिया ने थाना में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। जिसमें उन्होंने बताया कि वह 18 जनवरी की शाम करीब आठ बजे अपने रहवासी मकान का ताला बंद करके खेत पर मोटर चलाने चले गए थे और मोटर चलाकर करीब साढ़े 10 बजे घर वापस आए। घर आकर देखा कि घर के मुख्य दरबाजे का ताला टूटा था। घर के कमरे में रखी दो अलमारियों के दरबाजे टूटे हुए थे। अलमारी में रखे सोने चांदी के जेवरों में एक चांदी की करधन, एक सोने की चेन, कान की वाली, दो जोड़ी पायल चांदी की, दो मंगलसूत्र गुरिया वाले एक भगवान का एक मम्मी का, दो सोने की चूड़ियां कोई अज्ञात चोर चुरा ले गया। इसके बाद फरियादी ने चोरी की घटना की जानकारी फोन पर अपनी मां को बताई। उन्होंने स्थानीय पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

ट्रॉली चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

(नि.प्र.)

सागर। नरयावली थाना क्षेत्र में घटित ट्रॉली चोरी की घटना का पुलिस ने त्वरित, सटीक एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए खुलासा कर दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं तथा आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास और मजबूत हुआ है।
पुलिस ने बताया कि सोमवार को फरियादी भवानी टोरे पिता गंगाराम निवासी वार्ड क्रमांक 20 नरयावली द्वारा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 30 जनवरी 26 की रात अज्ञात चोर उनकी ट्रॉली चोरी कर ले गए है। रिपोर्ट पर थाना नरयावली में धारा 303(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना स्तर पर थाना प्रभारी कपिल कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर चोरी गई ट्राली की तलाश शुरू की। विवेचना के दौरान मंगलवार को संदेह के आधार पर राजकुमार उर्फ राज पिता पूरन कोरी, शिवम पिता रूपसिंह सेन, नूर पिता सलीम खान तीनों निवासी सागर को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए चोरी गई ट्रॉली को बेचना एवं घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर का उपयोग करना स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से 97 हजार रुपए कीमत की चोरी गई ट्रॉली तथा एक ट्रैक्टर विधिवत जब्त किया गया। उपरोक्त साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से न्यायालय के आदेश पर तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

97 हजार रुपए की चोरी गई ट्रॉली व घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर जब्त

कथा के दौरान बदमाश ने महिला के गले से मंगलसूत्र काटा

सागर (नि.प्र.) कोतवाली थाना क्षेत्र में आने वाले भीतर बाजार में चल रही भागवत कथा के भंडारे के दौरान अज्ञात बदमाश ने कथा सुनने आई एक महिला के गले से मंगलसूत्र काट लिया। जिसकी शिकायत महिला ने थाना में की।
कोतवाली थाना क्षेत्र के भीतर बाजार भागवत के समाप्ति पर आयोजित भंडारे में शामिल होने गई महिला के गले से कोई अज्ञात बदमाश मंगलसूत्र को काट ले गया। इस घटना के बाद महिला के परिजनों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में एक लंबे बाल वाले शख्स ने वारदात को अंजाम दिया है। भीतर बाजार निवासी पीड़िता के बेटे राम ने बताया कि भीतरबाजार में भागवत कथा की समाप्ति पर मंगलवार को भंडारे का आयोजन किया गया था। जहां पर उनकी मां कविता डेढ़ तोला वजनी सोने का मंगलसूत्र पहन कर गई थी। इस दौरान भंडारे की भीड़ में किसी ने उनके गले से मंगलसूत्र काट लिया। मंगलसूत्र गुमने की सूचना के बाद भंडारा स्थल पर मंगलसूत्र पर तलाश की गई, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। लोगों से पूछताछ भी की, लेकिन कोई पता नहीं चला। जिसके बाद परिजनों ने कोतवाली पहुंच कर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस भंडारा स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है।

छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

(नि.प्र.)

सागर। कैन्ट थाना में आने वाले पगारा निवासी एक 10 वीं की छात्रा ने मंगलवार की देर शाम फांसी लगा ली। जिसे परिजनों ने फांसी के फंदे से उतार और तुरंत अस्पताल लेकर गए। जहां डाक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। फांसी लगाने का कारण 10वीं की प्री बोर्ड परीक्षा में कम अंक आना बताया जा रहा है। पुलिस ने शव की पंचनामा कार्रवाई कर शव का बुधवार को पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस के अनुसार पगारा में रहने वाले सनद कुमार सोनी ने पुलिस को बताया कि उसकी 15 वर्षीय छोटी बहन श्वेता के 10वीं की प्री बोर्ड परीक्षा में कम अंक आए थे। जिसको लेकर वह परेशान थी। मंगलवार की शाम करीब पांच बजे मां मंजू सोनी का सनद के पास फोन आया कि श्वेता बहुत देर से मिल नहीं रही है। मां का फोन आने के बाद सनद होटल से वापस घर आया। जिसके बाद माता-पिता के साथ वह घर में श्वेता को तलाश करने लगे। तभी घर के पीछे भूसा वाला कमरा अंदर से बंद मिला। जिसके बाद परिजनों ने धक्का देकर दरबाजा खोला। अंदर कमरे में श्वेता वहां रखे लोहे के बिना प्लाई वाले पड़े पलंग पर रस्सी के बने फंदे पर लटकी मिली। परिजनों ने उसे फंदे से नीचे उतारा और बाइक से अपने परिचित राजेंद्र के साथ उसे भाग्योदय अस्पताल लेकर गए। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

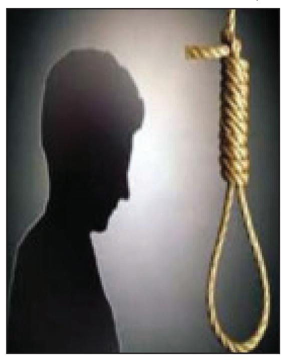

कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन करने वाले एक दर्जन प्रदर्शनकारियों पर मामला दर्ज

सागर (नि.प्र.) कलेक्टर कार्यालय में मंगलवाल को ज्ञापन देने आए प्रदर्शनकारियों द्वारा पुलिस के साथ हुई झड़प के मामले में गोपालगंज थाना पुलिस ने दर्जन भर नामजद प्रदर्शनकारियों सहित अन्य पर मामला कायम किया है। जानकारी के अनुसार पिछले दिनों रविदास जयंती पर शोभायात्रा के दौरान बड़कुआ गांव के दो पक्षों में विवाद हो गया था। जिसको लेकर अहिरवार समाज के लोगों ने गांव के ही दूसरे पक्ष पर आरोप लगाते हुए मामला कायम करने की मांग की थी। इसी को लेकर मंगलवार दोपहर गांव के 50 से अधिक महिला पुरुष कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां गेट नंबर एक से बड़ी संख्या में आए महिला पुरुष कलेक्टर कार्यालय परिसर में घुसने का प्रयास करने लगे। जनसुनवाई में तैनात गोपालगंज के एएसआई रमेश बंसल व अन्य पुलिसकर्मियों ने जब प्रदर्शनकारियों को अंदर जाने से रोका तो प्रदर्शनकारी उत्तेजित होकर और पुलिस के साथ हाथापाई करने लगे। पुलिस ने बताया कि आक्रोशित लोग गेट तोड़कर अंदर जाकर तोड़फोड़ करने की बात कह रहे थे। इसी दौरान पुलिस से आरोपी हाथापाई करने लगे, जिसमें कुछ पुलिस कर्मियों को चोटें भी आई। पुलिस ने जैसे तैसे प्रदर्शनकारियों को शांत कराया और कलेक्टर कार्यालय से प्रदर्शनकारियों को बाहर किया। जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 132, 121(1), 191(2), 296(ए), 351(2) के तहत मामला कायम कर लिया है।

दो उपद्रवी गिरफ्तार, भेजे जेल

सागर (नि.प्र.) शहर में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से मोतीनगर पुलिस द्वारा लगातार सख्त, सतर्क एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस ने बेवजह घूमकर संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त 2 असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार कर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा है। पुलिस ने बताया कि सूचना प्राप्त हो रही थी कि कुछ युवक क्षेत्र में बेवजह घूमकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में हैं। जिससे आम नागरिकों में भय एवं असुरक्षा का माहौल बन सकता है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत के नेतृत्व में थाना स्तर पर एक टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए कल्लू उर्फ कालूराम कोरी निवासी पंतनगर वार्ड और अंकित पिता प्रदीप जैन निवासी शास्त्री वार्ड को अभिरक्षा में लेकर धारा 170 बीएनएस के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई एवं न्यायालय में पेश किया गया।

सागर (नि.प्र.) महाशिवरात्रि के मद्देनजर हिन्दू संगठनों ने तीनबत्ती से कटरा मस्जिद के बीच आकर्षक विद्युत सजावट कराई है।

एडीना में विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता शिविर का आयोजन

(नि.प्र.)

सागर। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कनेरागोंद गाँव के स्कूल में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को कैंसर के कारण, लक्षण, बचाव के उपाय एवं समय पर जांच के महत्व के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी गई। बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया।इसी क्रम में तरु गाँव में कैंसर जागरूकता को लेकर एक रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को कैंसर के प्रति जागरूक होने, अफवाहों से बचने तथा प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने का संदेश दिया गया। यह कार्यक्रम **Adina Institute of Pharmaceutical** Sciences, सागर द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के विद्यार्थियों एवं शिक्षण स्टाफ की सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर डॉ. वैषाली यादव, सुश्री आसमा कोसर एवं सुश्री सौम्या मलैया उपस्थित रहीं और उन्होंने जागरूकता अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संस्थान के डायरेक्टर Dr. Sunil Kumar Jain एवं प्राचार्य Dr. Vivek Jain के मार्गदर्शन एवं सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने ऐसे सामाजिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों को समाज के लिए अत्यंत आवश्यक बताते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार की गतिविधियाँ जारी रखने की बात कही। ग्रामीणों, स्कूल प्रबंधन एवं स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और इसे समाज के लिए उपयोगी कदम बताया।

कैंसर के बारे में किया जागरूक

(नि.प्र.)

सागर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की सागर शाखा ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उच्चस्तरीय सेमिनार का आयोजन किया। जिसका पूरा फोकस ऑन्कोलॉजी यानी कैंसर रोग के विभिन्न प्रकार के मामलों को गहराई से समझने और उनके सबसे प्रभावी, आधुनिक उपचार के तरीकों पर केंद्रित था। इस विशेषज्ञ सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में नागपुर के जाने-माने ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. सागर भलेराव ने शिरकत की। डॉ. भलेराव ने अत्यंत रोचक और व्यवस्थित ढंग से विभिन्न प्रकार के कैंसर के वास्तविक केस प्रस्तुत किए। उन्होंने कई जटिल और चुनौतीपूर्ण मरीजों के केस स्टडीज के माध्यम से बहुत ही स्पष्टता के साथ बताया कि शुरुआती निदान में आने वाली मुख्य दिक्कतें क्या होती हैं। सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विजय भास्कर और डॉ. शिवम गौर ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. आनंद सिंघई उपस्थित रहे। इस दौरान आईएमएए सागर के अध्यक्ष डॉ. तल्हा साद ने बताया कि कैंसर जैसे जटिल रोग के विभिन्न रूपों पर इस प्रकार की विस्तृत, केस-आधारित चर्चा स्थानीय चिकित्सकों के लिए एक नई खिड़की खोलती है।सेमिनार में मंच संचालन आईएमए सचिव डॉ. रोशी जैन ने किया।

सीएमएचओ ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

विदिशा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार ने जिला चिकित्सालय आज औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर की साफ-सफाई और समग्र स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।
सीएमएचओ डॉ. कुमार ने अस्पताल की लैब का भी निरीक्षण कर वहां संचालित जांचों, उपलब्ध संसाधनों एवं कार्यरत अमले की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों को नोटिस जारी करने तथा उनके उस दिन के वेतन काटने के निर्देश दिए गए। टीबी जांच व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पाया गया कि एक लैब तकनीशियन उपलब्ध है। इस पर अन्य कार्यरत लैब तकनीशियन को भी टीबी जांच कार्य में सहयोग देने के लिए लैब प्रभारी को निर्देशित किया गया, ताकि जांच कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए।

चेहरे व नाक पर नजर आने वाले ब्लैकहेड्स मिनटों में होंगे दूर

खूबसूरती से हर किसी बेहद प्यार होता है। वहीं चेहरे व नाक पर नजर आने वाले ब्लैकहेड्स और व्हाइटहैड्स पूरी पर्सनैलिटी पर इफैक्ट डाल सकते हैं। इन्हें हटाने के लिए लड़कियां कई उपचार करती है, जिनसे दर्द के साथ खर्चा भी बेहद होता हैं। ऐसे में आप बिना किसी दर्द व खर्च घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके ब्लैकहैड्स से छुटकारा पा सकती हैं।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा में गुलाबजल व पानी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को ब्लैकहैड्स वाली जगह पर अप्लाई करें। थोड़ी देर ऐसे ही रहने दें जब पेस्ट सूख जाए तो इसे वैक्सिंग की तरह हल्के हाथों से खींचते हुए उतारें।

टूथब्रश

खराब टूथब्रश को फेंकने के बजाएं उसे ब्लैकहैड्स निकालने के लिए इस्तेमाल करें। पहले ब्रश पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और ब्लैकहेड्स वाली जगह पर इसे हल्के से रगड़ें। इससे रोजाना इस्तेमाल करने से आपको ब्लैकहैड्स खुद व खुद निकलते नजर आएगें।

शहद और चीनी

शहद और चीनी को मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इसे ब्लैकहेड्स से प्रभावित जगहों पर लगाएं और कम से कम 2 मिनट तक रगड़ें। रगड़ने के बाद इसें 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें और बाद में चेहरा धो लें।

एक्टिवेटेड चारकोल

रात को 2–3 एक्टिवेटेड चारकोल कैप्सूल लेकर अच्छी तरह पीस लें। फिर इसमें 1/4 चम्मच जेलेटिन, 1 विटामिन ई कैप्सूल मिलाकर मास्त तैयार करें। अब इसे पेस्ट को ब्लैकहैड्स से प्रभावित जगह पर लगाएं और सूख जाने के बाद खींचकर निकालें

चाय की केतली से आ रही बदबू और हो गई चिपचिपी

बड़े काम की है ये 2 ट्रिक्स, मिनटों में करें साफ

चाय की केतली आज भी ज्यादातर घरों में इस्तेमाल होती है। चाय को थोड़ी देर तक गर्म रखने के लिए केतली काफी हेल्पफुल होती है लेकिन अगर इसे सही ढंग से साफ ना किया जाए तो जल्दी गंदी भी हो जाती है। केतली के अंदर से चाय की अजीब सी बदबू आने लगती है और लिसलिसापन भी होता है। ऐसे में केतली में रखी चाय पीना का मन नहीं करता और ये इसके अंदर का शीशा इतना नाजुक होता है कि ज्यादा तेज से सफाई करने पर वो टूट सकता है। ऐसे में चाय की केतली की सफाई कैसे करें चलिए हम आपको आसान सी 2 ट्रिक्स बता देते हैं, इनकी मदद से आप मिनटों में केतली को चकाचक कर लेंगे और शीशा भी सेफ रहेगा।

क्या हैं ट्रिक्स

कॉफी पाउडर– कॉफी पाउडर किसी भी तरह की बुरी स्मेल को मिनटों में जड़ से खत्म कर देता है। चाय की केतली से बुरी बदबू आ रही है, तो कॉफी पाउडर को पानी में उबालकर केतली में डालें। इसे करीब आधे घंटे के लिए छोड़ दें और फिर लिक्विड डिशवॉश भी इसमें डालकर शेक करें। ऐसा करने से स्मेल गायब हो जाएगी और चिपचिपापन भी।

अदरक का पानी– अदरक को कूटकर पानी में उबालें और फिर यही पानी केतली में डालें। अदरक की तेज स्मेल से केतली की खराब बदबू गायब हो जाएगी। अदरक में ऐसे तत्व होते हैं, जो चीजों से स्मेल को हटा देते हैं।

चावल वाली ट्रिक– चावल को आधे घंटे तक भिगोकर उसका पानी निकाल लें और उसमें नींबू निचोड़ दें। अब इस घोल को चाय की केलती में भरकर आधे घंटे के लिए ढक्कन लगाकर रखें। इसे कुछ देर बाद शेक करें और फिर छोड़ दें। इसके बाद केतली साफ करने वाले ब्रश से उसे मिनटों में साफ कर लें।

क्लीनिंग टिप्स– केतली को साफ करते समय किसी भी धारदार चीजों का यूज न करें और ब्रश को भी हल्के हाथों से चलाएं। इसका कांच काफी नाजुक होता है। इसके अलावा केतली को हर दो दिन में अच्छे से साफ करें, वरना बदबू–चिपचिपी से चाय का स्वाद भी बिगड़ जाएगा।

ये हैं 10 नए किचन टिप्स, जो आसान कर देंगे रसोई के झंझट भरे काम

किचन के कामों को करना किसी मिशन को पूरा करने जैसा होता है, जिसमें हर चीज सही से होनी चाहिए। किचन के काम करते हुए महिलाएं पूरी तरह से थक जाती हैं लेकिन फिर भी कुछ न कुछ रह जाता है। ऐसे में अगर कुछ किचन हैक्स पता हो, तो कुछ कामों को जल्दी निपटाया जा सकता है। अम्मी की थाली नाम का इंस्टाग्राम पेज चलाती हैं शशिकला चौरसिया जी। उन्होंने कुछ ऐसे हैक्स बताए हैं, जो आपके किचन के कामों को फटाफट निपटाने में मदद करेंगे और कुछ चीजों को आसान कर देंगे।

क्या हैं किचन हैक्स

1– नमक– नमक अक्सर डिब्बी के अंदर पड़े हुए भी गीला हो जाता है और फिर इसे निकालना मुश्किल हो जाता है। कई बार ये ऐसे जम जाता है कि इसे फेंकना ही पड़ता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो नमक भरने से पहले शीशी में 4–5 चावल के दाने डाल दें। ये नमी सोख लेगा और नमक हमेशा सूखा रहेगा।

2– हरी मिर्च– हरी मिर्च को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए उसे कागज में लपेटकर एयरटाइट डिब्बे में रखें। हरी मिर्च 15 दिनों तक खराब नहीं होगी और न ही काली पड़ेगी।

3– दाल– दाल पकाते समय अक्सर पानी में झाग आ जाता है और फिर ये झाग कुकर से बाहर आकर फैल जाता है। इससे बचना है कि दाल चढ़ाते समय 1 चम्मच सरसों का तेल डाल दें। दाल का स्वाद भी अच्छा होगा और झाग नहीं बनेगा।

4– मिक्सी– मिक्सी में प्याज–लहसुन और चीजें पीसते हुए बदबू आने लगती है। अगर आपकी मिक्सी भी बदबू मार रही है, तो मिक्सी के अंदर नींबू का छिलका और पानी डालकर चलाएं। 1 मिनट में बदबू गायब हो जाएगी।

5– प्याज– प्याज काटते समय हर किसी को आंसू आते हैं और हर कोई इसका इलाज खोज रहा है। अम्मा जी का कहना है कि प्याज काटते समय मुंह में लौंग दबा लें, आंखों से पानी नहीं आएगा।

6– बासी रोटी– बासी रोटी रखने के बाद हमेशा सख्त हो जाती है। फिर इन्हें खाने में मजा नहीं आता और ये फेंकनी पड़ती है। ऐसे में आपको बासी रोटी पर हल्का सा पानी छिड़कना है और कुकर में 2 मिनट तक स्टीम देना है। रोटी बिल्कुल सॉफ्ट हो जाएगी।

7– फ्रिज की बदबू– फ्रिज में कभी कोई चीज रखे हुए खराब हो जाए या किसी चीज की बदबू भर जाए। तो फ्रिज साफ करने के बजाय उसमें खुली कटोरी में कॉफी भरकर रख दें। कॉफी पूरी बदबू खींच लेगी।

8– चावल– अगर पकाते समय आपके चावल भी चिपक जाते हैं, तो नींबू का 1 टुकड़ा उसमें डाल दें। चावल हमेशा खिला–खिला रहेगा।

9– कढ़ाही– जली हुई कढ़ाही को साफ करने के लिए सिरका और नमक डालकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। कढ़ाही बिना रगड़ें ही चमक उठेगी।

10– अदरक–लहसुन– अदरक–लहसुन का पेस्ट सब्जी में डालने के लिए हर बार बनाती हैं, तो अब स्टोर करके रख दें। इस पेस्ट को बनाएं और इसमें सरसों का तेल मिलाकर फ्रिज में रख दें। रंग, स्वाद दोनों 1 हफ्ते तक बने रहेंगे।

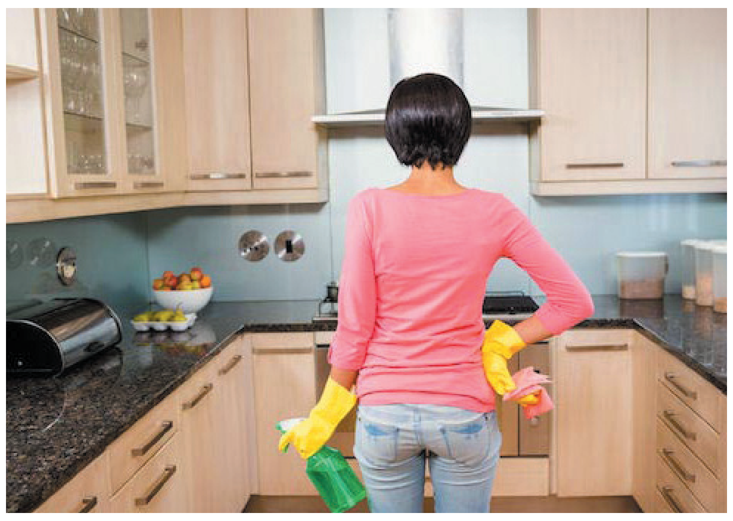

चावल के आटे की पूरी क्यों टूटती है

भारतीय रसोई में व्यंजनों के स्वाद और सुगंध रहती है। जब गेहूं की पूड़ियों से मन भर जाएं या सादा भोजन व ग्लूटेन फ्री विकल्प चाहिए तो चावल के आटे की पूरी सबसे भरोसेमंद और स्वादिष्ट समाधान बन सकती है।

चावल के आटे से बनी पूड़ियां बाहर से कुरकुरी, खस्ता जैसी और अंदर से हल्की व फूली फूली होती हैं। हालांकि अक्सर चावल के आटे से बनाई पूड़ियां टूटने लगती हैं। कई बार लोगों को चावल के आटे की पूड़ी बनाना कठिन लगता है। लेकिन अगर ये सही तरीके से बनाई जाए तो टूटती भी नहीं और आसानी से भी बनाई जा सकती है। यहां एक दम सरल विधि और कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आसानी से चावल के आटे की कुरकुरी और हल्की पूड़ी बना सकते हैं।

चावल के आटे की पूड़ी कैसे बनाएं

सामग्री

चावल का आटा – 1 कप

गरम पानी – आवश्यकतानुसार

नमक – स्वादानुसार

तेल – 1 छोटा चम्मच (मोयन के लिए)

तलने के लिए तेल – पर्याप्त

1 चुटकी अजवाइन या जीरा स्वाद के लिए (वैकल्पिक)

चावल के आटे की पूरी बनाने की विधि

चावल के आटे की पूरी बनाना कोई कठिन काम नहीं, बस तरीका सही होना चाहिए। जब आटा सही गूंथा जाए, पूरी सही तरह बेली जाए और तेल सही तापमान पर हो तो यह पूरी हर बार कुरकुरी और फूली–फूली बनती है।

स्टेप 1 : आटा गूंथने का सही तरीका

एक परात में चावल का आटा और नमक डालें।

अब इसमें उबलता हुआ गरम पानी थोड़ा–थोड़ा डालें।

चम्मच से मिलाएं, फिर जब हल्का ठंडा हो जाए तो हाथ से नरम लेकिन सख्त आटा गूंथ लें।

ऊपर से 1 चम्मच तेल लगाकर ढक दें और 5 मिनट के लिए छोड़ दें।

ध्यान रखें चावल का आटा ठंडे पानी से नहीं गूंथना चाहिए, वरना पूरी फटेगी।

स्टेप 2 : पूरी बेलने का सही तरीका

हाथों में थोड़ा तेल लगाएं।

आटे की छोटी–छोटी लोइयां बनाएं।

दो पॉलिथीन शीट या गीले कपड़े के बीच रखकर हल्के हाथ से बेलें।

सूखा आटा लगाने की जरूरत नहीं वरना पूरी सख्त हो जाएगी।

स्टेप 3 : तलने का परफेक्ट तरीका

कढ़ाही में तेल मध्यम आंच पर गरम करें।

तेल अच्छी तरह गरम हो जाए, तभी पूरी डालें।

पूरी डालते ही हल्के हाथ से दबाएं, पूरी फूलने लगेगी।

दोनों तरफ से सुनहरी और कुरकुरी होने तक तलें।

बटर पेपर या किचन टॉवल पर निकाल लें।

परफेक्ट चावल की पूरी के खास टिप्स

आटा हमेशा गरम पानी से गूंथें।

लोइयां सूखने न दें, ढककर रखें।

बेलते समय ज्यादा दबाव न डालें।

तेल ज्यादा ठंडा या बहुत तेज न हो।

तुरंत तलें, देर करने पर पूरी टूटती है

पेट की चर्बी कम करने के लिए खड़े होकर करें ये 3 एक्सरसाइज!

प्लैंक-सिटअप की नहीं जरूरत

पेट की चर्बी कम करना सबसे मुश्किल कामों में से एक है, इसके लो घंटों–घंटों जिम में बिताते हैं और एक्स्ट्रीम डाइटिंग करना भी नहीं भूलते. हालांकि जिम की मशीनें, कार्डियो और फ्लोर एक्सरसाइज करना काफी लोगों को मेहनत का काम लग सकता है खासकर वो लोग जो ऑफिस या अन्य कारणों से जिम नहीं जा सकते. अच्छी बात यह है कि पेट की चर्बी कम करने के लिए आपको इतनी मेहनत करने की जरूरत नहीं है क्योंकि कुछ ऐसी एक्सरसाइज भी हैं जो आप खड़े–खड़े कर सकते हैं. ये एक्सरसाइज हार्ट रेट बढ़ाती हैं जिससे कैलोरी बर्न तो होती ही है, साथ ही साथ कोर मसल्स को मजबूती भी देती हैं.

गुरुत्वाकर्षण का नियम कहता है कि पृथ्वी का द्रव्यमान अधिक होता है इसलिए यह अपने पास की हर वस्तु को अपने पास यानी नीचे की ओर खींचती है. जब आप खड़े–खड़े एक्सरसाइज करेंगे तो कुछ एक्सरसाइज इस नियम के विपरीत काम करती हैं जिससे फ्लोर एक्सरसाइज की अपेक्षा इनसे अधिक कैलोरी बर्न होती है. तो आइए उन 5 स्टैंडिंग वर्कआउट के बारे में जानते हैं जो पेट की चर्बी कम करने में मदद कर सकती हैं.

नी टू एलबो क्रंच

खड़े होकर घुटने से कोहनी तक ले जाने वाली यह एक्सरसाइज पेट के ऊपरी और निचले हिस्से के मसल्स को एक्टिव करने के साथ–साथ आपके बैलेंस और कॉडिनेशन को बेहतर बनाने का एक शानदार तरीका है.

इसके लिए आप सीधे खड़े हो जाएं और पैरों के बीच लगभग कंधे बराबर दूरी रखें. अपना एक हाथ सिर के पीछे रखें और सिर को हल्के से पकड़ लें. जब आप अपने दाहिने घुटने को अपने चेस्ट की ओर उठाते हैं तो अपने शरीर को इस तरह मोड़ें कि आपकी बाईं कोहनी आपके दाहिने घुटने की ओर आ जाए यानी विपरीत दिशा में क्रंच करें.

अब अपने दाहिने पैर को जमीन पर नीचे लाएं और खड़े होकर वापस आ जाएं. अब ऐसा ही बाएं पैर के साथ भी दोहराएं. टोर्सो को घुमाने से ऑब्लिक मसल्स एक्टिव बोते हैं जबकि घुटने को ऊपर उठाने से पेट के निचले हिस्से के मसल्स टारगेट होते हैं. सीधा खड़े रहने से कोर टाइट रहता है और पूरी एक्टिविटी के दौरान कैलोरी बर्न होती है. 20–20 रेप्स के 3 सेट इस एक्सरसाइज के करें.

हाई–नीज रनिंग

हाई–नीज, खड़े होकर की जाने वाली कार्डियोवस्कुलर एक्सरसाइज है जो पेट के एरिया को टारगेट करता है. इस एक्सरसाइज को करने के लिए आप खड़े हों और अपने घुटने को छाती तक उठाएं और फिर पैरों को बदलते हुए जॉगिंग करें. पेट के मसल्स को एक्टिव रखने के लिए पीठ को सीधा रखें.

हाई नीज जॉगिंग से पेट के निचले हिस्से के मसल्स मजबूत होते हैं और साथ ही काफी कैलोरी बर्न होती है. जितनी तेजी से आप जॉगिंग करेंगे, उतनी ही अधिक कैलोरी बर्न होंगी.

जंपिंग जैक्स

जंपिंग जैक पेट की चर्बी से छुटकारा पाने और आपकी ओवरऑल बॉडी का फैट पर्सेंट कम करने के लिए सबसे इफेक्टिव एक्सरसाइज में से एक है. जंपिंग जैक करने के लिए सीधा खड़ा होना है और अपने हाथों को नेचुरल स्थिति में रखना है. अब जंप करते हुए अपने पैरों को फैलाएं और साथ ही अपने हाथों को सिर के ऊपर उठाएं. इसके बाद अपनी प्रारंभिक स्थितिमें आएं. ये आपका 1 रेप्स होगा. इसकी तरह से जल्दी–जल्दी 20 रेप्स करें और फिर रेस्ट करने के बाद फिर 2 और सेट करें. जंपिंग जैक्स से हार्ट रेट तेजी से बढ़ती है जिससे अधिक फैट बर्न करने में मदद मिलती है.

भारत अंडर-19 विश्वकप के फाइनल में

ऐरन जॉर्ज का शतक, अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया

हरारे (वार्ता)। सलामी बल्लेबाज ऐरन जॉर्ज (115) की शतकीय, वैभव सूर्यवंशी (68) और कप्तान आयुष म्हात्रे (62) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने बुधवार को अंडर-19 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 53 गेंदें शेष रहते सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल मे प्रवेश किया। 311 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए वैभव सूर्यवंशी और ऐरन जॉर्ज की सलामी जोड़ी ने विस्फोटक शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 92 रन जोड़े। 10वें ओवर में नूरीसतानी ओमरजई ने वैभव सूर्यवंशी को आउटकर अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई। वैभव सूर्यवंशी ने 33 गेंदों में नौ चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 68 रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान आयुष म्हात्रे ने ऐरन जॉर्ज के साथ दूसरे विकेट के लिए 114 रनों की साझेदारी की। 27वें ओवर में नूरीसतानी ओमरजई ने आयुष म्हात्रे को आउट किया। आयुष म्हात्रे ने 59 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए 62 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विहान मल्होत्रा ने जॉर्ज के साथ 96 रन जोड़कर भारत की जीत पक्की कर दी। इसी दौरान जॉर्ज ने अपना शतक पूरा किया। 40वें ओवर में वाहिदउल्लाह जदरान ने जॉर्ज को आउटकर दिया। जॉर्ज ने 104 गेंदों में 15 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 115 रनों की शानदार पारी खेली। भारत ने 41.1 ओवर में तीन विकेट पर 311 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम किया। विहान मल्होत्रा 38 रन बनाकर नाबाद रहे।

अफगानिस्तान ने बनाए थे 310 रन

इससे पहले आज यहां फैसल शिनोजादा (110) और उजैरुल्लाह नियाजई (नाबाद 101) की शानदार शतकीय पारियों के दम पर अफगानिस्तान ने भारत के खिलाफ चार विकेट पर 310 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी उस्मान सादत और खालिद अहमदजई की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। 13वें ओवर में दीपेश देवेंद्रन ने खालिद अहमदजई को आउटकर भारत को पहली सफलता दिलाई। अहमदजई ने 39 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 31 रन बनाये।

फैसल शिनोजादा ने लगाया शतक

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये फैसल शिनोजादा ने उस्मान सादत के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। 25वें ओवर में कनिष्क चौहान ने उस्मान सादत को आउटकर पवेलियन भेज दिया। उस्मान सादत ने 70 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 39 रन बनाये। फैसल शिनोजादा और उजैरुल्लाह नियाजई के बीच तीसरे विकेट के लिए 148 रनों की साझेदारी हुई। 46वें ओवर में दीपेश देवेंद्रन ने फैसल शिनोजादा को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। फैसल शिनोजादा ने 93 गेंदों में 15 चौके लगाते हुए 110 रनों की पारी खेली। 49वें ओवर में कनिष्क चौहान ने अजिजुल्लाह मियाखिल (12) को आउट कर अपना दूसरा विकेट लिया। अफगानिस्तान ने निर्धारित 50 ओवरों में चार विकेट पर 310 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। उजैरुल्लाह नियाजई ने 86 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 101 रनों की पारी खेली। अब्दुल अजीज सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान ने दो-दो विकेट लिये।

हितेश, प्रीति ने पहले दिन भारत को जबरदस्त शुरुआत दिलाई

ला नुसिया (वार्ता)।

भारत ने बॉक्सम एलिट इंटरनेशनल मुक्केबाजी 2026 में अपने अभियान की ज़ोरदार शुरुआत की, इस मशहूर टूर्नामेंट के पहले दिन कई शानदार प्रदर्शन किए, जिसमें 21 देशों के 214 बॉक्सर हिस्सा ले रहे हैं। भारत की तरफ से वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स के चैंपियन हितेश गुलिया (70किग्रा) और प्रीति (54किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन किया, दोनों ने शानदार जीत हासिल की और भारत ने कई वेट कैटेगरी में जीत हासिल की। हितेश ने पुरुषों के 70 किग्रा के एलीट मुकाबले में पूरा कंट्रोल रखा, उन्होंने नीदरलैंड्स के फिन बोस को 5-0 के बड़े अंतर से हराया। शांत, सधे हुए और तेज, इस भारतीय ने अपनी खास रिंग इंटेलिजेंस और टाइमिंग का प्रदर्शन करते हुए शुरू से आखिर तक मैच पर कब्ज़ा कर लिया।

इससे पहले, प्रीति ने एलीट महिलाओं के 54किग्रा डिवीजन में कज़ाकिस्तान की आलियास्कर सिम्बत पर 5-0 से शानदार जीत हासिल करके माहौल बनाया। उन्होंने अपने तेज कॉम्बिनेशन और डिसिप्लिन्ड डिफेंस का इस्तेमाल करके अपनी विरोधी को पूरी तरह से हरा दिया। भारत की महिलाओं ने अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा, जिसमें प्राची (57किग्रा), प्रिया (60किग्रा) और काजल (65किग्रा) सभी शानदार तरीके से आगे बढ़ीं। प्राची और प्रिया ने क्रमशः स्पेन की वेनेसा मोरेल रामिरेज़ और कनाडा की एलेसिया मानसुएटो पर 5-0 से एक जैसी जीत हासिल की, जबकि

काजल ने एक कड़े मुकाबले में कज़ाकिस्तान की असेम तनातर को 4-1 से हराया। पुरुषों के ड्रॉ में, भारत ने लगातार पक्के प्रदर्शन से दबाव बनाया।

सचिन (60किग्रा) ने स्पेन के ब्रैंडन एलेजांद्रो को 5-0 से हराया, जबकि मोहम्मद हुसैन उद्दीन (60किग्रा) ने डेनमार्क के मटियास मेहमत बुयुकदेमिर को 4:1 से हराया। अभिनाश जामवाल (65किग्रा) ने डेनमार्क के कलीद उस्मान पर 5:0 से क्लीन जीत हासिल करके सबको इम्प्रेस किया, और दीपक (70किग्रा) ने बेल्जियम के हॉर्नेल आयतेवी के खिलाफ 4:1 से सॉलिड जीत हासिल की। आकाश (75किग्रा) और अंकुश (80किग्रा) भी 4:1 से जीत के साथ आगे बढ़े, हालांकि आदित्य प्रताप यादव (65किग्रा) इंग्लैंड के जो टर्नर के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद बाहर हो गए।

सचिन ने मुंबई रणजी टीम के खिलाड़ियों को किया प्रेरित

मुंबई (वार्ता)। क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने आज मुंबई रणजी टीम से बात की और उन्हें आने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल की तैयारी के लिए मोटिवेट किया, जो बीकेसी के एमसीए ग्राउंड पर होगा। सचिन ने मुंबई टीम के ड्रेसिंग रूम में बाकायदा खिलाड़ियों से बात की और उन्हें बताया कि उन्हें मैदान पर क्या करना चाहिए। मुंबई की टीम रणजी ग्रुप डी में सात मैच में चार जीत और तीन ड्रा के साथ 33 अंक लेकर क्वार्टरफाइनल में पहुंच चुकी है जहां उसका मुकाबला कर्नाटक से मुंबई में होगा। शार्दुल ठाकुर और यशस्वी जायसवाल को कर्नाटक के खिलाफ छह फरवरी से शुरु होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के लिए 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। ठाकुर और जायसवाल दोनों अलग-अलग कारणों से पिछले कुछ मैच नहीं खेल पाए थे। ठाकुर चोट की वजह से बाहर थे, जबकि जायसवाल के न खेलने का कारण मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को भी नहीं पता था। मुंबई 42 बार की रणजी चैंपियन है।

मनीषा कीर और भवनीश मेंदीरत्ता ने ट्रैप टी1 फाइनल्स में हासिल किया शीर्ष स्थान

नयी दिल्ली (वार्ता)।

डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित शॉटगन राष्ट्रीय चयन ट्रायल 1 और 2 में महिलाओं के ट्रैप टी1 में मनीषा कीर और पुरुषों के ट्रैप टी1 में भवनीश मेंदीरत्ता ने शीर्ष स्थान हासिल किया। महिलाओं के फाइनल में मनीषा कीर ने 27 टारगेट हिट कर नीरू धांडा (25 हिट्स) को पीछे छोड़ा। आशिमा अहलावत 20 हिट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। क्वालिफिकेशन में कीर्ति गुप्ता ने 118 का स्कोर कर शीर्ष स्थान हासिल किया, हालांकि फाइनल में वह सातवें स्थान पर रहीं। राजेश्वरी कुमारी और आशिमा अहलावत ने 114 का स्कोर किया। इसके बाद प्रीति रजक (113), मनीषा कीर (110), नीरू धांडा (109), वर्षा वर्मन (107) और शगुन चौधरी (106) ने शीर्ष आठ में जगह बनाई। पुरुषों के फाइनल में भवनीश मेंदीरत्ता ने पृथ्वीराज टोंडईमान को 28-27 से

हराकर पहला स्थान हासिल किया। वर्ल्ड कप फाइनल 2024 के पदक विजेता विवान कपूर 23 हिट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहे। क्वालिफिकेशन में कीनन चेनई ने 122 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि पृथ्वीराज टोंडईमान ने 120 स्कोर किया। विवान कपूर और अहवर रिज़वी ने 119 के स्कोर के साथ अगले स्थान हासिल किए। भवनीश मेंदीरत्ता, अरशद हसन खान, अली अमन इलाही और उदैवीर सिंह जाजी ने 118 स्कोर कर शीर्ष आठ पूरा किया। विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता ज़ोरावर सिंह संधू ने भी 118 स्कोर किया, लेकिन कट-बैक नियम के कारण वह शीर्ष आठ से बाहर रहे।

महिला जूनियर फाइनल में वर्ल्ड कप मिक्स्ड टीम पदक विजेता सबीरा हारिस ने अड्डुया कात्याल को 25-24 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। अड्डुया कात्याल ने क्वालिफिकेशन में 114 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया था। इशिका भारद्वाज ने क्वालिफिकेशन में 103 स्कोर करने के बाद फाइनल में 19 हिट्स के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। सबीरा हारिस ने 112 स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में दूसरा स्थान पाया। दर्शन राठौर (111), भाव्या त्रिपाठी (109), तनिस्का सेंथिलकुमार (108), तनिषा सिंह चंद्रावत (104) और निला राजाबालु (103) ने शीर्ष आठ पूरा किया।

विश्व कप में न खेल पाने की निराशा को पीछे छोड़ पाना मुश्किल : सलाहुद्दीन

ढाका (वार्ता)। बांग्लादेश के सीनियर असिस्टेंट कोच मोहम्मद सलाहुद्दीन ने बुधवार को कहा कि क्रिकेटरों के लिए आने वाले टी20 विश्व कप में हिस्सा न लेने की निराशा को पीछे छोड़ना मुश्किल है। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत न आने का फैसला किया और बाद में आईसीसी ने उनकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया। यह पहली बार है जब बांग्लादेश टीम मैनेजमेंट के किसी सदस्य ने सबके सामने कहा है कि टी20 विश्व कप में खेलने का मौका गंवाना पूरी तरह से निराशाजनक बात है। सलाहुद्दीन ने बुधवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रिपोर्टर्स से कहा, सच कहूं तो, इसे दिमाग से पूरी तरह मिटाना बहुत मुश्किल है। हर कोई मेंटली इतना मजबूत नहीं होता कि इससे आसानी से निपट सके। उस निराशा से उबरना मुश्किल है। उन्होंने कहा, इसलिए मेन फोकस इस बात पर होना चाहिए कि आप अपनी अभी की सिचुएशन में सबसे अच्छा क्या दे सकते हैं। प्रोफेशनल प्लेयर्स के तौर पर, वे इसे उसी तरह देखने की कोशिश करेंगे। लेकिन इमोशंस को हमेशा कंट्रोल नहीं किया जा सकता, यह नामुमकिन है। हम इंसान हैं; दुख, दर्द, खुशी-सब कुछ हमारे अंदर मौजूद है। जरूरी यह है कि हम आगे कैसे बढ़ें, और उसके लिए, अभी पर फोकस रखना सबसे ज़रूरी है।

एनएमडीसी ने 2025-26 के दस महीनों में दर्ज किया अपना सबसे अच्छा परिणाम

नयी दिल्ली (वार्ता)

देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक और सरकारी क्षेत्र की कंपनी एनएमडीसी ने जनवरी 2026 में 55.6 लाख टन के रिकार्ड उत्पादन के साथ वित्त वर्ष 2026 के पहले माह में उत्पादन मात्रा और वित्तीय कारोबार दोनों क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि के साथ शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी की ओर से वित्त मंत्रालय की बुधवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कंपनी ने जनवरी में अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन एवं बिक्री दर्ज की, जिससे कंपनी की प्रचालन गति और मजबूत हुई। कंपनी ने जनवरी में 55.6 लाख टन लौह अयस्क का उत्पादन और 47.9 लाख टन की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में नौ प्रतिशत और बिक्री में सात प्रतिशत की मजबूत वार्षिक वृद्धि दर्शाती है।

चालू वित्त वर्ष में जनवरी 2026 तक के दस महीनों में कंपनी का उत्पादन बढ़कर 426.5 लाख टन रहा जो 19 प्रतिशत की सर्वोच्च वृद्धि को दर्शाता है। जबकि बिक्री इसी साल की पिछली अवधि से 9.7 प्रतिशत बढ़कर 397.3 लाख टन हो गई है। एनएमडीसी ने अपनी स्थापना के बाद चालू वित्त वर्ष के प्रथम नौ माह में शानदार प्रदर्शन कर 22 प्रतिशत की वृद्धि दर से 20,381 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि परिचालन लाभ (पीबीटी) पांच प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7,280 करोड़ रुपये रहा । पहले नौ महीनों में कंपनी ने चार प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 5,401 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। यह बढ़कर 7,666 करोड़ हो गया, जो पांच प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

एनएमडीसी ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 2.50 रुपये का अंतरिम लाभांश भी घोषित किया है। यह प्रदर्शन रिकॉर्ड मात्रा और निरंतर प्रचालन उत्कृष्टता के कारण ही संभव हुआ, जिससे एनएमडीसी भारत की सबसे मजबूत खनन कंपनियों में से श्रेष्ठ कंपनी के रूप में स्थापित हो गई है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि अपनी स्थापना के बाद से अब तक के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े हासिल करके एनएमडीसी अपने वार्षिक लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रही है। जनवरी में कंपनी की प्रथम कोयला खदान - झारखंड में टोकीसुद नॉर्थ कोयला खदान का उद्घाटन भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो एनएमडीसी के इतिहास में एक और बड़ी सफलता हासिल की गयी है।

एप्पल अपने आपूर्तिकर्ताओं के कर्मचारियों को देगा प्रशिक्षण

नयी दिल्ली (वार्ता)।

अमेरिकी हाईटेक कंपनी एप्पल ने उसके लिए कंपोनेंट बनाने वाली कंपनियों के कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए बेंगलुरु में नया शिक्षण केंद्र बनाने की घोषणा की है। एप्पल ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह प्रशिक्षण उसके सभी आपूर्तिकर्ताओं के कर्मचारियों के लिए उपलब्ध होगा। शिक्षण केंद्र का परिचालन मणिपाल अकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन के सहयोग से किया जायेगा। पहला कोर्स इस साल मार्च में शुरू होगा। इसके लिए पांच करोड़ डॉलर के सप्लायर इम्पलॉई डेवलपमेंट फंड से राशि दी जायेगी। पहले कोर्स में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जायेगा। पाठ्यक्रम के तहत डिजिटल लिट्रेसी, स्विफ्ट कोड, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन प्रौद्योगिकी और स्मार्ट विनिर्माण के बारे में बताया जायेगा।

सेवा क्षेत्र की रफ्तार जनवरी में और बढ़ी

मुंबई (वार्ता)। नये ऑर्डर और उत्पादन में तेजी से इस साल जनवरी में सेवा क्षेत्र की रफ्तार और तेज हो गयी तथा इसका एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई कोरोबारी गतिविधि सूचकांक 58.8 पर पहुंच गया। पिछले साल दिसंबर में सूचकांक 58 पर रहा था। सूचकांक का 50 से ऊपर रहना वृद्धि को और इससे नीचे रहना गिरावट को दर्शाता है जबकि 50 का स्तर स्थिरता का द्योतक है।

भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने बुधवार को जारी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह आंकड़ा सेवा क्षेत्र की सतत गति को दर्शाता है। नये ऑर्डरों में स्थिर वृद्धि के दम पर उत्पादन मजबूत बना हुआ है। दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया समेत विदेशों से मांग में वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि कारोबारी विश्वास तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। लागत और उत्पाद मूल्य बढ़ रहे हैं, लेकिन इनकी वृद्धि दर लंबे समय के औसत से कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नये ऑर्डरों में दो महीने की सबसे तेज वृद्धि देखी गयी। दिसंबर में इसकी रफ्तार 11 महीने के निचले स्तर पर दर्ज की गयी थी। कंपनियों ने बताया कि ऑनलाइन

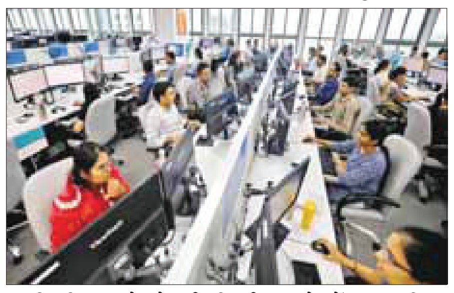

उपस्थिति बढ़ाने से भी बिक्री बढ़ाने में मदद मिल रही है।

सेवा क्षेत्र के भीतर वित्त एवं बीमा खंड का प्रदर्शन जनवरी में नये ऑर्डर और उत्पादन दोनों ही मामलों में सबसे अच्छा रहा। नये ऑर्डर में वृद्धि मुख्यतः घरेलू बाजार की बदौलत हुई है। विदेशों से मिलने वाले ऑर्डर में भी मजबूत तेजी रही। नये ऑर्डरों में तीन महीने की सबसे तेज बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को मिलाकर संयुक्त पीएमआई दिसंबर 2025 के 57.8 से बढ़कर जनवरी में 58.4 पर पहुंच गया। साल के पहले महीने में रोजगार में भी वृद्धि देखी गयी।

चावल, गेहूं महंगा- चीनी सस्ती,दालों, तेलों में घटबढ़

नयी दिल्ली, (वार्ता)।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ गेहूं भी महंगा हुआ जबकि चीनी में नरमी रही। वहीं, दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 16 रुपये बढ़कर 3,866 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं भी 16 रुपये मजबूत हुआ और 2,875 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी चार रुपये महंगा हुआ।

दाल-दलहनों में घटबढ़ रही। उड़द दाल की औसत कीमत 22 रुपये और तुअर दाल की 20 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मसूर दाल में 43 रुपये की गिरावट रही। मूंग दाल 22 रुपये और चना दाल 13 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया

डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा सात रिंगिट चढ़कर 4,222 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा भी 0.11 प्रतिशत की तेजी में 54.55 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 46 रुपये और सूरजमुखी तेल 37 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। पाम ऑयल की कीमत 33 रुपये और वनस्पति की तीन रुपये बढ़ी। वहीं, सरसों तेल में सात रुपये और सोया तेल में पांच रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही।

मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव आठ रुपये प्रति क्विंटल गिर गये। चीनी भी नौ रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

अकासा एयर के बेड़े में शामिल हुआ 33वां विमान

नयी दिल्ली (वार्ता)। *नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर के बेड़े में बुधवार को 33वां विमान शामिल हुआ। एयरलाइन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नया बोइंग 737 मैक्स 8-200 विमान आज बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे पर उतरा। इस साल कंपनी के बेड़े में शामिल होने वाला यह दूसरा विमान है। अकासा लगातार अपने बेड़े और नेटवर्क का विस्तार कर रही है। उसने साल 2030 तक दुनिया की शीर्ष 30 विमान सेवा कंपनियों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है। साल 2022 में परिचालन की शुरुआत करने वाली एयरलाइंस ने बताया कि उसने कुल 226 बोइंग 737 मैक्स विमानों के ऑर्डर दिये हैं जिनमें 33 की डिलिवरी हो चुकी है और अन्य 193 की डिलिवरी अगले छह साल में होनी है। अकासा एयर के इस विमान को बेंगलुरु हवाई अड्डे पर लेकर आने वाले चालक दल के सदस्यों में दोनों महिला पायलट हैं।*

लगातार दूसरे दिन चढ़े शेयर बाजार

आईटी कंपनियों में बड़ी गिरावट

मुंबई, (वार्ता)। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की घोषणा के बाद घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी देखी गयी, हालांकि आईटी सेक्टर की कंपनियों में बड़ी गिरावट रही। बीएसई का सेंसेक्स 78.56 अंक (0.09 प्रतिशत) चढ़कर 83,817.69 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 48.45 अंक यानी 0.19 प्रतिशत ऊपर 25,776 अंक पर पहुंच गया। यह दोनों सूचकांकों का 12 जनवरी के बाद का उच्चतम स्तर है। इस बीच, आईटी कंपनियों में भारी दबाव रहा जिसके कारण सुबह प्रमुख सूचकांकों में गिरावट थी और एक समय सेंसेक्स 600 अंक से अधिक टूट गया था। अमेरिकी शेयर बाजारों में सूचीबद्ध भारतीय

आईटी कंपनियों के शेयर सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। बताया जा रहा है कि एक ऐसे एआई टूल के विकास की खबर आने के बाद ये कंपनियां दबाव में आ गयीं जो दस्तावेजों की समीक्षा और आंकड़ों के विश्लेषण का काम कर सकती हैं।

ज्यादातर कंपनियां वर्तमान में ये काम भारतीय कंपनियों से आउटसोर्स करवाती हैं। उसी का असर आज बाजार खुलते ही दिखा। सेंसेक्स में आईटी कंपनियों में ही सबसे अधिक गिरावट रही। इंफोसिस का शेयर सात प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। टीसीएस में भी लगभग सात फीसदी की गिरावट रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टेक महिंद्रा के शेयर चार प्रतिशत से अधिक टूटे। तीस कंपनियों वाले संवेदी सूचकांक में इटरनल का शेयर पांच प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा। ट्रेंट का शेयर पांच प्रतिशत के करीब चढ़ा। एनटीपीसी, अडानी पोर्ट्स और पावरग्रिड में दो से ढाई प्रतिशत की तेजी रही। मारुति सुजुकी, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एलएंडटी, टाटा स्टील, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयर एक से दो प्रतिशत तक की बढ़त में बंद हुए। एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयर भी हरे निशान में रहे।

एक्सिस बैंक का शेयर एक प्रतिशत से अधिक टूटा। कोटक महिंद्रा बैंक भी गिरावट में बंद हुआ। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.65 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.27 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। निफ्टी आईटी सूचकांक करीब छह प्रतिशत लुढ़क गया। फार्मा और स्वास्थ्य सेक्टरों में भी गिरावट रही। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, तेल एवं गैस, ऑटो, धातु, रियलिटी, मीडिया, बैंकिंग और रसायन सेक्टरों के सूचकांक तेजी में रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्रियों से की मुलाकात...

उद्योग मंत्री से भेंट... मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से सौजन्य भेंट की।

केन्द्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात... मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह से उद्योग भवन में मुलाकात की। भेंट में विभाग से जुड़े केंद्र में लंबित मुद्दों पर चर्चा की और शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर सचिव केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय नीलम शमी राव सहित मंत्रालय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

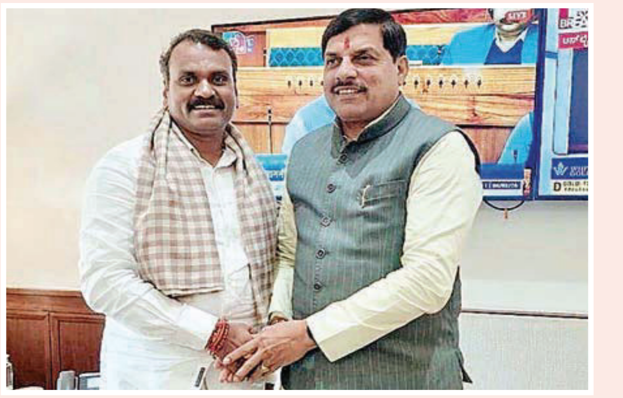

सूचना मंत्री से मुलाकात... मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन से सौजन्य भेंट की।

बेहतर स्वास्थ्य संकेतकों की ओर अग्रसर हो रहा मप्र : डॉ. यादव

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आम नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सशक्त किया जा रहा है। समन्वित प्रयासों से स्वास्थ्य अधोसंरचना का व्यापक विस्तार हुआ है और आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। मेडिकल शिक्षा, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों में उल्लेखनीय प्रगति के साथ मध्यप्रदेश स्वास्थ्य संकेतकों में निरंतर सुधार की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य में भी महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। प्रदेश में मातृ मृत्यु दर (स्र्ब्र्क्र) 173 से घटकर 142 तथा शिशु मृत्यु दर (ढ्ढस्र्क्र) 41 से घटकर 37 हुई है। जननी सुरक्षा योजना एवं मुख्यमंत्री

सुदृढ़ हो रही हैं मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं

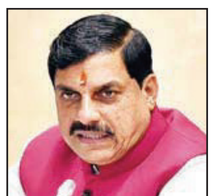

प्रसूति सहायता योजना के अंतर्गत लाखों लाभार्थियों को हजारों करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है। नवजात एवं कुपोषण प्रबंधन में एसएनसीयू एवं एनआरसी की सफल डिस्चार्ज दरों में भी वृद्धि हुई है।

जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष 5 प्रदर्शनकारी राज्यों में शामिल हुआ है। सिकल सेल मिशन के अंतर्गत व्यापक स्क्रीनिंग एवं उपचार सुविधाएँ विकसित की गई हैं। आयुष्मान भारत योजना में 4.43 करोड़ कार्ड तैयार कर प्रदेश के नागरिकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की गई है। योजनांतर्गत पात्र परिवारों को 5 लाख रूपये तक नि:शुल्क उपचार दिया जा रहा है।

साथ ही गंभीर रोगियों को आपात स्थिति में त्वरित रूप से उच्च स्तरीय उपचार पीएम एयर एम्बुलेंस सेवा से मुहैया कराया जा रहा है। अब तक 120 से अधिक नागरिकों को आपात स्थिति में सेवा का लाभ मिला है। मानवीय संवेदनाओं के दृष्टिगत नि:शुल्क एवं सम्मानजनक शव-परिवहन सेवा भी प्रारंभ की गई है। राह-वीर योजना में आपात काल में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाकर जान बचाने वाले नागरिक को 25 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। साथ ही, मोबाइल मेडिकल यूनिटों के माध्यम से दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं।

मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2003 तक प्रदेश में सिर्फ 6 मेडिकल कॉलेज थे। वर्तमान में प्रदेश में 33 मेडिकल कॉलेज है। विगत 2 वर्षों में शासकीय मेडिकल कॉलेजों की संख्या 14 से बढ़कर 19 तथा निजी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 12 से बढ़कर 14 हो गई है। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, इंदौर में 50 एमबीबीएस सीटों के साथ संचालन प्रारंभ किया गया है। आगामी 2 वर्षों में 6 शासकीय एवं पीपीपी मोड पर 13 मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किया जाना योजना में शामिल है। विगत 2 वर्षों में सरकारी एमबीबीएस सीटें 2275 से बढ़कर 2850 हुई हैं, जबकि सरकारी एवं निजी मिलाकर कुल एमबीबीएस सीटें 5550 हो गई हैं। पीजी (एमडी/एमएस) सीटों में भी वृद्धि करते हुए सरकारी पीजी सीटें 1262 से बढ़कर 1468 तथा कुल पीजी सीटें 2862 हो गई हैं। इसके अतिरिक्त 93 सुपर स्पेशियलिटी सीटें उपलब्ध कराई गई हैं।

मप्र पुलिस की सतर्कता से लूट की बड़ी वारदातों का खुलासा

70 लाख रुपए से अधिक की सामग्री जब्त

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण एवं नागरिक सुरक्षा के प्रति सतत् प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए प्रदेश के तीन अलग-अलग जिलों में घटित गंभीर लूट की घटनाओं का त्वरित एवं प्रभावी खुलासा किया गया है। इन कार्रवाइयों में न केवल आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई, बल्कि लूटी गई राशि भी बरामद की गई है।

■ नरसिंहपुर: होटल में हुई लगभग 1 करोड़ रुपये की लूट का चंद घंटों मेंखुलासा

03 फरवरी की रात्रि लगभग 03:00 बजे नरसिंहपुर नगर स्थित होटलकुमुम वैलीमें 3-4 नकाबपोश व्यक्तियों द्वारा होटल में प्रवेश कर लगभग 1 करोड़ रुपये की नगद राशि की लूट का पुलिस ने खुलासा कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विवेचना के दौरान भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया। जांच में होटल के मैनेजर की भूमिका संदिग्ध पाई गई, जिससे पूछताछ करने पर उसनेअपने अन्य साथियों के साथ लूट की घटना करना स्वीकार किया। जांच में सामने आया कि मेनेजर को होटल में रखी नकदी की पूर्व जानकारी थी। लालच में उसने यह जानकारी अपने साथियोंको दी, जिन्होंने मिलकर लूट की योजना बनाकर घटना को अंजाम दिया। चारों आरोपियों से कुल 60 लाख नगद राशि जब्तकी गई है।

■ राजगढ़ : अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

थाना कुरावर, जिला राजगढ़ अंतर्गत नेशनल हाईवे पर चार पहिया वाहन चालक को रोककर मिर्ची डालकर बंधक बनाने एवं बैंक खाते से 1 लाख 26 हजार 400 की राशि आहरित करने की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 1 लाख 26 हजार 400 रूपए जब्त किए हैं।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान एवं दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान भोपाल के मध्य हुआ समझौता

भोपाल । भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन एवं शैक्षणिक अनुसंधान को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल तथा दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, भोपाल के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपन्न हुआ। उक्त समझौता ज्ञापन पर दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के निदेशक श्री मुकेश कुमार मिश्रा तथा उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल द्वारा विधिवत हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के माध्यम से दोनों संस्थानों के मध्य भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित अनुसंधान, अकादमिक गतिविधियों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों एवं अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों के संचालन हेतु परस्पर सहयोग स्थापित किया जाएगा। समझौता ज्ञापन के अंतर्गत भारतीय दर्शन, संस्कृति, साहित्य, परंपरागत विज्ञान एवं ज्ञान-विरासत से जुड़े विषयों पर अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाएगा तथा विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को भारतीय ज्ञान प्रणाली के विविध आयामों से परिचित कराने हेतु संयुक्त प्रयास किए जाएंगे। यह पहल राष्टीय शिक्षा नीति के अनुरूप भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा में समाहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल से प्रोफेसर एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. महेंद्र सिंघई, भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) प्रभारी एवं ग्रंथपाल डॉ. प्रज्ञा नायक, तथा सहायक प्राध्यापक अमर प्रकाश पांडेय उपस्थित रहे। वहीं दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, भोपाल की सह सचिव डॉ. अल्पना त्रिवेदी एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रभाकर पांडेय की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान सभी गणमान्य अतिथियों ने इस सहयोग को भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं अकादमिक उन्नयन की दिशा में मील का पत्थर बताया तथा यह आशा

एमपी में सियासत तेज : 'कृषि वर्ष' पर भाजपा का फोकस, सिसोदिया ने कांग्रेस के 'टैलेंट हंट' पर कसा तंज

भोपाल । मध्य प्रदेश में चुनावी शोर थमने के बाद अब सरकार और संगठन के स्तर पर हलचलें तेज हो गई हैं। एक तरफ जहाँ डॉ. मोहन यादव की सरकार प्रदेश को कृषि क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कृषि वर्ष मना रही है, वहीं भाजपा ने कांग्रेस के आंतरिक पुनर्गठन को लेकर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजपाल सिसोदिया ने कांग्रेस के मीडिया विभाग को भंग किए जाने पर तंज कसते हुए इसे नेतृत्व का संकट करार दिया है।

निमाड़ में सजेगी कृषि कैबिनेट : मोहन सरकार ने इस वर्ष को कृषि वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में मार्च महीने में निमाड़ क्षेत्र में विशेष कृषि कैबिनेट का आयोजन किया जाएगा। सरकार का मानना है कि मध्य प्रदेश में केवल पारंपरिक खेती ही नहीं, बल्कि दुग्ध उत्पादन, डेयरी, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में विकास की असीम संभावनाएं हैं। निमाड़ में होने वाली इस बैठक का उद्देश्य जमीनी स्तर पर किसानों की समस्याओं को समझना और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना है, जिससे प्रदेश के राजस्व और किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

कांग्रेस ने किया शून्य का आविष्कार: सिसोदिया : कांग्रेस द्वारा अपने मीडिया विभाग को शिथिल करने और नए प्रवक्ताओं के लिए टैलेंट हंट शुरू करने पर राजपाल सिसोदिया ने कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा- जीतू पटवारी के नेतृत्व में कांग्रेस गहरे संकट से गुजर रही है। जो प्रवक्ता कल तक डिबेट में पार्टी का पक्ष रख रहे थे, उन्हें अचानक घर बैठा दिया गया। कांग्रेस के पास टैलेंट की कमी नहीं थी, बल्कि नेतृत्व की कमी है। जीतू पटवारी का सबसे बड़ा टैलेंट तो यह है कि उन्होंने लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में शून्य का आविष्कार किया और इंदौर जैसी सीट पर कांग्रेस को प्रत्याशी तक नहीं मिला।

51.74 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान उपार्जित

अन्नदाताओं को समर्थ बनाना हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अन्नदाताओं को समर्थ बनाना हमारी प्राथमिकता है। राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा एवं उनकी आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि किसानों को बगैर बाधा के उनकी उपज का पूरा मूल्य, समय पर मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खरीफ सीजन 2025-26 में 51.74 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का उपार्जन हुआ। उपार्जन के आंकड़े नीतियों की सफलता दर्शाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के लिए तकनीक आधारित भुगतान प्रणाली लागू की गई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। उन्होंने बताया कि खरीफ सीजन में धान

11 हज़ार करोड़ रुपए किसानों के खातों में भेजे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस सीजन में उपार्जित धान के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य कुल 12 हज़ार 259 करोड़ रुपये आंकलित किया गया। इस आंकलित मूल्य में से करीब 11 हज़ार करोड़ रुपये किसानों के बैंक खातों में सीधे अंतरित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उपार्जन मूल्य से किसानों को आर्थिक संबल मिला है और वे अगली फसल से जुड़े कार्यों की तैयारी भी बड़े आत्मविश्वास के साथ कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा धान उपार्जन की संपूर्ण प्रक्रिया की निरंतर निगरानी की गई, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें शासन की योजनाओं का पूरा लाभ भी समय पर प्राप्त हो सके।

उपार्जन की प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारु और किसान-हितैषी बनाया गया है। इसके बेहद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि खरीफ़ सीजन में धान (कॉमन) का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,369 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया था, जो पिछले सत्र के एमएसपी से 69 रुपए अधिक है। न्यूनतम समर्थन मूल्य में की गई यह वृद्धि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्रदान करने की दिशा में राज्य सरकार का ठोस प्रयास है। पिछले खरीफ़ सीजन में धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल था। गत सत्र में तय न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 6 लाख 69 हज़ार 272 धान उत्पादक किसानों से कुल 43 लाख 52 हज़ार 905 मीट्रिक टन धान उपार्जित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खरीफ सत्र में प्रदेश में 8 लाख 59 हज़ार 822 धान उत्पादक किसानों का पंजीयन किया गया था। इनमें से 7 लाख 89 हज़ार 757 किसानों (करीब 92 प्रतिशत) ने स्लॉट बुक कर धान उपार्जन प्रक्रिया में भाग लिया। इन किसानों में से 7 लाख 62 हज़ार 620 किसान (89 प्रतिशत) धान विक्रेता के रूप में उपार्जन केंद्रों पर पहुंचे। इस वर्ष धान उपार्जन के लिए प्रदेश में 1,436 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए। इन केंद्रों के जरिए इस सीजन में 51 लाख 74 हज़ार 792 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया। उपार्जित धान में से 48 लाख 38 हज़ार 637 मीट्रिक टन से अधिक धान का परिवहन भी पूरा कर लिया गया है। परिवहन किए गए धान में से 46 लाख 30 हज़ार 21 मीट्रिक टन धान गुणवत्ता परीक्षण के उपरांत स्वीकार कर लिया गया है।

खराब हुई फसलों के किसानों को जल्द मिलेगी राहत : देवड़ा

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कित्तुखेड़ी, गोपालपुरा, लोहाखेड़ा, झारड़ा एवं अड़मालिया में ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का निरीक्षण किया और किसानों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार पूरी संवेदना के साथ किसानों के साथ खड़ी है और हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में फसल नुकसान का शीघ्र सर्वे कराकर राहत प्रदान की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने किसानों से कहा कि सरकार सभी प्रभावित क्षेत्रों के

उप मुख्यमंत्री ने किया ओलावृष्टि प्रभावित फसलों का निरीक्षण

हर खेत पर जाकर सर्वे किया जाएगा, इसके लिए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए गए। उन्होंने कहा कि अधिकारी खेतों तक पहुँच कर वास्तविक स्थिति का आंकलन कर रहे हैं अफीम खेती के संबंध में नारकोटिस विभाग भी मौके पर जाकर खेतों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही केन्द्र सरकार से चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। फसल बीमा के मामले में भी किसानों को फसल का पूरा लाभ प्रदान किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में सरकार किसानों की हर चिंता और दुख में इनके साथ है।

जीतू पटवारी के आरोपों पर मंत्री सारंग का करारा पलटवार

बिना तथ्य के विरोध करना कांग्रेस की आदत

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । मध्य प्रदेश में कर्ज और नई कार्यकारिणी को लेकर छिड़ी सियासी जंग अब और तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा सरकार की आर्थिक नीतियों और ट्रेड डील पर उठाए गए सवालों का कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने सिलसिलेवार जवाब दिया है। सारंग ने पटवारी के बयानों को पटकथा आधारित करार देते हुए कांग्रेस की आंतरिक कलह पर भी निशाना साधा।

लोन लेना बुराई नहीं, अनुशासन जरूरी : जीतू पटवारी द्वारा राज्य सरकार पर कर्ज को लेकर किए जा रहे हमलों पर पलटवार करते हुए विश्वास सारंग ने कहा कि मप्र सरकार ने केंद्र द्वारा

तय सीमा से कम लोन लिया है। उन्होंने कहा, जीतू पटवारी को अर्थशास्त्र समझने की जरूरत है। जनता के कल्याण के लिए ॠण लेना गलत नहीं है, और सीएम मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में कड़ा आर्थिक अनुशासन है।

टैलेंट हंट पर तीखा कटाक्ष : जीतू पटवारी के टैलेंट हंट कार्यक्रम पर सारंग ने गांधी परिवार को लपेटते हुए कहा कि कांग्रेस में योग्यता की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर टैलेंट की बात होती तो गांधी परिवार के लोग कभी नेतृत्व नहीं करते।

जीआई टैग : विकास का नया रोडमैप : अंत में सारंग ने पटवारी के नकारात्मक रुख के विपरीत सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि मप्र के उत्पादों को जीआई टैग दिलाने की पहल से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, जिसे पटवारी देख नहीं पा रहे हैं।

ट्रेड डील और राहुल गांधी का जिक्र

जीतू पटवारी द्वारा भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर दिए गए बयान को मंत्री सारंग ने ज्ञान की कमी बताया। उन्होंने कहा कि जीतू पटवारी वही बोल रहे हैं जो उन्हें लिखकर दिया गया है। सारंग ने तंज कसा, राहुल गांधी स्क्रिप्टेड बात करते हैं, इसलिए उनके प्रदेश अध्यक्ष भी स्क्रिप्टेड ही बोलेंगे। पीएम मोदी ने ट्रेड डील से भारत का मान बढ़ाया है और यह कदम देश को विश्वगुरु बनाने की ओर है।

कांग्रेस की नई कार्यकारिणी पर हमला

पटवारी द्वारा हाल ही में घोषित प्रदेश कार्यकारिणी पर निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा कि कांग्रेस में केवल गुर्गों को पद दिए जाते हैं। उन्होंने पटवारी को चुनौती देते हुए कहा, कांग्रेस में इतना बिखराव है कि पटवारी अपनी पूरी कार्यकारिणी को एक साथ एक कमरे में इकट्ठा करके दिखा दें।

भोपाल गैस त्रासदी का खौफनाक सच

गैस पीड़ितों में कैंसर की दर सामान्य से 13 गुना ज्यादा, नई पीढ़ी भी चपेट में

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर गैस पीड़ितों के स्वास्थ्य पर काम करने वाले संभावना ट्रस्ट क्लिनिक ने एक चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी की है। आंकड़ों के अनुसार, 1984 की यूनियन कार्बाइड गैस त्रासदी का दंश झेल रहे लोगों में कैंसर होने की दर, सामान्य आबादी की तुलना में 13.3 गुना अधिक पाई गई है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जहरीली गैस का यह असर अब नई पीढ़ी के बच्चों में भी कैंसर के लक्षणों के रूप में दिखाई दे रहा है।

फैक्ट्री के 3 किलोमीटर का दायरा सबसे ज्यादा प्रभावित : ट्रस्ट की संतोष क्षत्रिय के अनुसार, सर्वे मुख्य रूप से यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के 3 किलोमीटर के दायरे में आने वाले इलाकों जैसे जयप्रकाश नगर, कैंची छोला और काजी कैंप में किया गया। तुलना के लिए फैक्ट्री से 8 किलोमीटर दूर स्थित अन्ना नगर और भीम नगर जैसे इलाकों का डेटा लिया गया, जहाँ कैंसर के मामले नगण्य पाए गए।

मुफ्त इलाज की अपील : बता दें कि 1996 में स्थापित संभावना ट्रस्ट क्लिनिक पिछले कई दशकों से गैस पीड़ितों को मुफ्त इलाज मुहैया करा रहा है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सरकार से गैस पीड़ितों के लिए विशेष कैंसर उपचार सुविधाएं और मुआवजे की मांग तेज कर दी है।

सर्वे के चौंकाने वाले आंकड़े

संभावना ट्रस्ट की सामुदायिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण यूनिट ने 21,276 गैस पीड़ितों और 25,528 गैर-पीड़ित व्यक्तियों के स्वास्थ्य का गहन अध्ययन किया। सर्वे में सामने आया कि

- **गैस पीड़ितों में कैंसर की दर :** 1,569.84 प्रति लाख।
- **गैर-पीड़ितों में कैंसर की दर :** मात्र 117.52 प्रति लाख।
- **लिंग के आधार पर प्रभाव :** गैस पीड़ित पुरुषों में कैंसर होने का खतरा 14.92 गुना और महिलाओं में 12.22 गुना अधिक पाया गया है।

इन अंगों पर सबसे ज्यादा प्रहार

सर्वेक्षण दल के सदस्य चंद्रशेखर साहू ने बताया कि गैस पीड़ितों में कुछ खास तरह के कैंसर बेहद सामान्य हो गए हैं। तुलनात्मक रूप से इनकी स्थिति इस प्रकार है :-

- **गले का कैंसर :** सामान्य से 33.86 गुना ज्यादा।
- **फेफड़ों का कैंसर :** सामान्य से 28.78 गुना ज्यादा।
- **ब्लड कैंसर :** सामान्य से 21.6 गुना ज्यादा।

इनका कहना...

हमारे पास 1992 से 2012 के बीच मिले लगभग सभी कैंसर मरीजों के मेडिकल रिकॉर्ड मौजूद हैं। यह आंकड़े साबित करते हैं कि गैस त्रासदी का जहर आज भी भोपाल की रगों में दौड़ रहा है।

- राधेलाल नापित,
संभावना ट्रस्ट क्लिनिक

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई-100/22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- नवीन आनंद जोशी। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।